भोपाल, मंगलवार
25 फरवरी 2025

दैनिक
मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 ▪ अंक-180 ▪ पृष्ठ-08 ▪ मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्केन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...

Scan QR Code to Read ePaper

www.madhyaswarnim.com

अनंत संभावनाओं के ध्येय वाक्य के साथ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ, वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाने के निर्णय के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सराहा

एमपी में निवेश का यही सही समय है : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री ने प्रदेश की 18 उद्योग फ्रैन्डली नीतियां की लॉन्च और कहा अपनी क्षमता से देश के शीर्ष पाँच राज्यों में शामिल होगा मध्यप्रदेश

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के नई औद्योगिक नीति को लांच किया इस मौके पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए।

भोपाल। मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है सही समय है। क्यों? आमंत्रित निवेशकों को समझाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

भोपाल। आप मध्यप्रदेश में आकर निवेश कीजिए यदि कोई पॉलिसी चेंज करना होगी तो हम ऑउटऑफ वे जाकर मदद करने को तैयार हैं। निवेशकों को भरोसा दिलाते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

भोपाल। विकसित भारत 2047 के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को मध्यप्रदेश कैसे साकार करेगा इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

कुबेर ने कर दी मध्यप्रदेश में धनवर्षा

मध्य स्वर्णिम टीम

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित मध्यप्रदेश से विकसित भारत के उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए आशान्वित है। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिसके परिणाम स्वरूप सम्पूर्ण विश्व भारत पर विश्वास प्रकट कर रहा है। प्रधामनंत्री ने कहा कि यही विश्वास हम मध्यप्रदेश में अनुभव कर रहे हैं। मध्यप्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का पांचवां बड़ा राज्य है, कृषि और खनन में अग्रणी है, इसके साथ ही राज्य को माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है।

देश में हो रहे अधोसंरचना विकास का लाभ मध्यप्रदेश को मिला है, दिल्ली, मुम्बई नेशनल हाईवे का बड़ा भाग मध्यप्रदेश से निकलता है, प्रदेश में पाँच लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क है और लॉजिस्टिक्स की यहाँ अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। मध्यप्रदेश में हर वो क्षमता है, जो इसे देश के शीर्ष पाँच राज्यों में ला सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने के लिए बधाई दी।

औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए 18 नई नीतियां लॉन्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिमोर्ट का बटन दबाकर प्रदेश में औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू 18 नवीन नीतियों का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश उद्योग नीति 2025, एमएसएमई नीति, एक्सपोर्ट प्रमोशन नीति, लॉजिस्टिक्स नीति, स्टार्टअप नीति, मध्यप्रदेश एनीमेशन, वीआर, गैमिंग कामिक्स और विस्तारित रियलिटी नीति, जीसीसी नीति, सेमी कंडक्टर नीति, ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति, फिल्म पर्यटन नीति, पर्यटन नीति, पम्पड हाइड्रो स्टोरेज नीति, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति, विमानन नीति, नवकरणीय ऊर्जा नीति, स्वास्थ निवेश प्रोत्साहन नीति और एकीकृत टाउनशिप नीति शामिल हैं।

देश का कॉटन कैपिटल है मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री ने समिट में पधारे उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यहां 300 से अधिक इंडस्ट्री जोन हैं और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में 31 हजार मेगावाट सरप्लस एनर्जी है, जिसमें 30 फीसदी रिन्यूएबल एनर्जी है। कुछ दिन पहले ही ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ हुआ है। एनर्जी सेक्टर में आए बूम का मध्यप्रदेश को लाभ मिला है। हाल ही में 45 हजार करोड़ रूपए लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना की आधारशिला रखी गई, जिससे 10 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता बढ़ेगी, परिणामस्वरूप प्रदेश में कपड़ा उद्योग और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर बढ़ेगा। मध्यप्रदेश को देश का कॉटन कैपिटल बताते हुए कहा कि कपड़ा उद्योग और कॉटन सप्लाय में मध्यप्रदेश, देश का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां का मलबरी सिल्क और चंदेरी साड़ियां भी बहुत पसंद की जाती हैं। देश में बन रहे सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में है। देश के टूरिज्म सेक्टर में मध्यप्रदेश अजब भी है और गजब भी है। नर्मदा के किनारे पर्यटन का पर्याप्त विकास हुआ है। प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म की भी अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार प्रदेश की विकास दर को नई ऊंचाइयां देने के लिए निरंतर हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है और सही समय है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश

दो दशक पहले लोग मध्यप्रदेश में निवेश करने से डरते थे। जिस प्रदेश में बसें ठीक से नहीं चल पाती थीं, वह राज्य अब इलेक्ट्रिक व्हीकल के मामले में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जनवरी 2025 तक प्रदेश में दो लाख इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर्ड हुए हैं, जो दर्शाता है कि नए क्षेत्रों में भी मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित कर रहा है। लिथियम बैटरी और न्यूक्लियर एनर्जी में भी निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। रानी कमलापति स्टेशन के चित्र सभी का मन मोह रहे हैं। इसी तर्ज पर प्रदेश के 80 रेलवे स्टेशनों को विकसित किया जा रहा है। विमानन सेवा के लिए ग्वालियर और जबलपुर के एयरपोर्ट को विस्तार दिया गया है।

भारत जो कहता है, वह करके दिखाता है

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व के सामान्य जन, विशेषज्ञ और संस्थाएं भारत की ओर आशा से देख रही हैं। विश्व बैंक ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही गतिशील अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसी प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संस्था ने भारत को सौर ऊर्जा का श्रेष्ठ केन्द्र कहा है।

टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी आगामी वर्षों में देश के विकास को गति देंगे

टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी आगामी वर्षों में देश के विकास को गति देंगे। मध्यप्रदेश सहित देश में मेडिकल टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। हेल्थ एंड वेलनेस क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार एमएसएमई सेक्टर को गति देने के लिए एमएसएमई केन्द्रित सप्लाई चैन को विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है और इस सेक्टर में कार्यरत उद्यमियों को प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं। 'ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस' को प्रोत्साहित करने के लिए कई अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया है। केन्द्रीय बजट में टैक्स स्लैब को रिस्ट्रक्चर किया गया है, रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरें घटाई हैं।

प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री ने जरी-जरदोजी से निर्मित महाकाल मंदिर का चित्र भेंट किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भोपाल में पहली बार हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पधारने पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल की उपस्थिति में, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंग वस्त्रम भेंट अभिवादन किया। आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्मृति चिन्ह के रूप में भोपाल की प्रसिद्ध जरी-जरदोजी कला से निर्मित महाकाल मंदिर का चित्र भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित दो दिवसीय समिट में देश-दुनिया के दिग्गज राजनेता, उद्योगपति और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि सहभागिता कर रहे हैं।

पीएम के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने प्रदेशवासी प्रतिबद्ध : मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सतत विकास और औद्योगिक निवेश की दिशा में नए कदम बढ़ाऐ जा रहे है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की थीम 'अनंत संभावनाएं है, जो प्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। 'अनंत संभावनाएं' केवल एक विचार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में अवसरों की व्यापकता को दर्शाने वाला दृष्टिकोण है। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' का मंत्र दिया, जिसमें यह संदेश समाहित है कि जब संभावनाओं के अनंत आकाश में हम साथ मिलकर आशा की ज्योत जलाते हैं, तो एक नहीं, बल्कि सभी के आंगन रोशन होते हैं और यही हमारी सनातन संस्कृति है। उनके नेतृत्व में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प समस्त भारतवासियों ने लिया है, हमारा लक्ष्य देश को 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। विकसित भारत के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विकसित मध्यप्रदेश समस्त प्रदेशवासियों के साथ महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी अनुक्रम में राज्य सरकार अगले 05 वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

समापन सत्र में शामिल होंगे अमित शाह

भोपाल। 25 फरवरी को जीआईएस के समापन सामरोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। समिट में दूसरे दिन केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी शामिल होंगे। वो मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय सचिव श्रीनिवास कटिकिथला के साथ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला के स्वागत उद्बोधन से होगा।

इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए ईवी पोर्टल का लोकार्पण भी करेंगे। साथ ही इस सत्र में नगरीय विकास परियोजनाओं में निवेश को लेकर चर्चा होगी। वहीं प्रदेश के शहरों में विकास को बढ़ावा देने के लिए डेवलपिंग सिटी टुमारो पर विशेष चर्चा होगी। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2025 के दूसरे दिन प्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए फ्यूचर रेडी एमपी में पर्यटन और संस्कृति के योगदान पर परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इसमें केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र शेखावत, केंद्रीय सचिव पर्यटन मंत्रालय वी विद्यावति, प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति मप्र शिव शेखर शुक्ला, इतिहासकार केके मोहम्मद, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स के प्रेसीडेंट अजीत बजाज, एक्टर पंकज त्रिपाठी, इंडियन होटल्स कंपनी के रोहित खोसला, मेक माय ट्रिप के समीर बजाज, जहानुमा होटल के डायरेक्टर अलि राशिद सहित अन्य लोग मौजूद रहेंगे और निवेश को लेकर विचार रखेंगे।

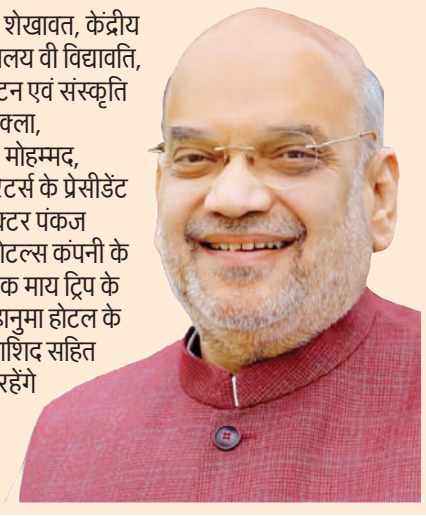

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन सोमवार को विभिन्न उद्योगपतियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा की। पतंजलि समूह के आचार्य बालकृष्ण ने भेंट के दौरान मुख्यमंत्री से हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में निवेश के संदर्भ में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करने वालों में इटली के कांसुलेट जनरल वाल्टर फेरेरा भी थे। ईजी ट्रिप डॉट कॉम के सीईओ एवं कॉ-फाउंडर रिकांत पिटी ने भी भेंट की और पर्यटन क्षेत्र में निवेश संबंधी चर्चा की। टॉरेंट पॉवर के जिगिश मेहता एवं ओमप्रकाश नैनवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में निवेश की इच्छा जताई। आदित्य बिरला ग्रुप के प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में औद्योगिक संभावनाओं को तलाशने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा। हिनडालको कम्पनी के एमडी सतीश पई, एमडी ग्रेसिम एच.के. अग्रवाल, एसेल माइनिंग के एमडी थॉमस चेरियन, अरविंद ग्रुप के डॉ. परम शाह एवं एनटीपीसी के चेयरमैन एवं एमडी गुरदीप सिंह ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वन-टू-वन चर्चा की। गोदरेज समूह के ग्रुप प्रेसीडेंट राकेश स्वामी भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले। उन्होंने रियल स्टेट और टाउनशिप क्षेत्र में समूह द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी दी।

दो लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश करेगा अडानी समूह

अडानी ग्रुप ने मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के मंच से राज्य में 2.10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का ऐलान किया है. ये निवेश विभिन्न सेक्टर्स में किया जाएगा, जिसमें पंप स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, स्मार्ट मीटर और थर्मल एनर्जी क्षेत्र शामिल हैं. अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने बताया कि इस निवेश के तहत 1 लाख करोड़ रुपये के जरिए ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पर राज्य सरकार से बातचीत जारी है।

अडानी ग्रुप ने मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के मंच से राज्य में 2.10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का ऐलान किया है. ये निवेश विभिन्न सेक्टर्स में किया जाएगा, जिसमें पंप

स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, स्मार्ट मीटर और थर्मल एनर्जी क्षेत्र शामिल हैं. अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने बताया कि इस निवेश के तहत 1 लाख करोड़ रुपये के जरिए ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पर राज्य सरकार से बातचीत जारी है।

2030 तक 1.20 लाख नौकरियां

गौतम अडानी ने समिट में निवेश का ऐलान करते हुए कहा कि इसके जरिए मध्यप्रदेश में लाखों नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। ग्रुप को उम्मीद है कि साल 2030 तक 1.20 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया जाएगा। अडानी ग्रुप के चेयरमैन ने कहा कि ये सिर्फ निवेश नहीं है, बल्कि ऐसी यात्रा की शुरुआत है, जिससे मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल और इकोनॉमिक ग्रोथ के मामले में सबसे आगे होगा. अडानी ग्रुप की ओर से पहले से ही मध्यप्रदेश में बड़ा निवेश किया गया है, जो 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का है। ये इन्वेस्टमेंट एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर समेत मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और एग्रीकल्चर सेक्टर में किया गया है और इसके जरिए करीब 25,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा हुई हैं। गौतम अडानी ने कहा कि नए निवेश के जरिए राज्य का इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और भी ज्यादा मजबूत होगा।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

युवक ने मामा की नाबालिग बेटी से की शादी

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। परासिया के वार्ड क्रमांक एक निवासी आदिवासी युवक ने अपने ही मामा की बेटी को ले जाकर उससे शादी कर ली। युवक किशोरी के मायके गया। वहां पेट दर्द होने पर अस्पताल गया। अस्पताल में उसे पता लगा कि किशोरी गर्भवती है। नाबालिग होने से अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी। परासिया पुलिस ने युवक के विरुद्ध प्रकरण कायम कर सोमवार को उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। खास बात यह है कि किशोरी अभी भी युवक के घर में ही रह रही है। युवक बालिग है। वह वार्ड क्रमांक एक में रहता है। इस हिस्से को ओझा मोहल्ला के नाम से जाना जाता है। यहां के युवक ने अपने सगे मामा की लडकी को ले गया। उसके साथ विवाह कर लिया और उसी के साथ रहने लगा। बालिग होने में किशोरी को दो महिने कम है। गर्भावस्था की जांच के दौरान अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी। जिससे उसके विरुद्ध प्रकरण कायम कर लिया गया।

नागरिकों की लापरवाही से जंगल में लगी आग

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। मयूर वन जैसे शहर में लगे जंगल में रोजाना लोग घूमने जाते है। लेकिन यहां आने वाले लोगों की थोडी सी लापरवाही से जंगल में आग लग जाती है। आज मयूर वन के मैदान के सामने वाली पहाडी में किसी शरारती तत्व में आग लगा दी। आग धीरे धीरे बडे हिस्से में फैल गई। इसे किसी तरह बुझाया गया। लोगों की लापरवाही से वन विभाग के कर्मचारियों का काम बढ जाता है। वहीं वन्य प्राणी और पेड पौधों को भी नुकसान पहुंचता है।

शिवरात्रि पर नगर के नागरिको को कुंभ स्नान कराएगी चांदामेटा नपा

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। शिवरात्रि पर चांदामेटा नगर परिषद नागरिकों को कुंभ स्नान कराएगी। शासन के आए पत्र के आधार पर नगर परिषद ने अपने कर्मचारियों को प्रयागराज भेजकर कुंभ का जल मंगवाया है। नगर परिषद अध्यक्ष गोविंद बजोलिया ने बताया कि शिवरात्रि पर नगर के जल स्रोतो, पानी की टंकी में प्रयागराज से लाया जल मिलाकर वितरण किया जाएगा। पूरे शहर को कुंभ के जल से स्नान कराने का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर परिषद कार्यालय में इस दौरान उपाध्यक्ष अमजद खान, उपयंत्री विनय शुक्ला, सभापति ब्रजकुमारी सरेयाम, नीतू शर्मा, पवन बावरिया, संतोष गजभिए,, विनोद मिश्रा, रामलाल दुबे आदि उपस्थित रहे।

खराब आर्थिक स्थिति से उबरने अनुदान के लिए शासन को लिखा पत्र

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। नगर परिषद चांदामेटा की अध्यक्षीय परिषद की बैठक आज आयोजित की गई। इस बैठक में नगर से जुडे मुद्दों पर चर्चा की गई। सोमवार को साढे चार बजे आयोजित इस बैठक में परिषद की खस्ताहाल आर्थिक स्थिति से उबरने अनुदान के लिए शासन को पत्र लिखा गया। वहीं 18 लाख से निर्मित पार्क में ओपन जिम आदि को लेकर चर्चा की गई। सामग्री खरीदी के लिए राशि जारी करने पत्र लिखा गया। वहीं विवादित नामांतरण को रद्द कर यथावत किया गया। इस बैठक में अध्यक्ष गोविंद बजोलिया, उपयंत्री विनय शुक्ला, विनोद मिश्रा, रामलाल दुबे, सभापति ब्रजकुमारी सरेयाम, नीतू शर्मा, पवन बावरिया, संतोष गजभिए,

जत्ती हनुमान मंदिर ने की दुकानों की नीलामी

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। चांदामेटा के जत्ती हनुमान मंदिर की जन कल्याण समिति ने दुकानों की नीलामी की। तीन दुकाने नीलाम की गई। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष गोविंद बजोलिया, समिति के अध्यक्ष राधा मोहन अग्रवाल और अन्य सदस्यगण, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिवरात्रि पर चांदादेव टेकडी पर होगा विशेष श्रंगार

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। चांदादेव टेकडी चांदामेटा में शिवरात्रि पर विशेष आयोजन किया जाएगा। पच्चीस की रात से अभिषेक होगा। रात बारह बजे श्रंगार महाआरती होगी। रात दो बजे से अभिषेक होगा। 26 को भंडारा होगा। कैलाश राजुरकर ने आयोजन को लेकर जानकारी दी।

मोक्षधाम महाकालेश्वर मंदिर मे होगा अभिषेक

परासियां(मध्य स्वर्णिम)। नगर के वार्ड क्रमांक सात के महाकालेश्वर मोक्षधाम के शिव मंदिर में शिवरात्रि पर आयोजन होगा। यहां अभिषेक किया जाएगा। दिन भर भजन कीर्तन होंगे। इसके साथ ही यहां भंडारा भी किया जाएगा।

बेहोश मां को अस्पताल में छोडकर गायब हुआ बेटा

दो घंटे बाद आया पुत्र, फिर किया रिफर

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया अस्पताल में सोमवार को तीन बजे छिंदा से एक महिला को बेहोश अवस्था में लेकर आए। महिला की स्थिति गंभीर थी। उसे छिंदवाडा रिफर किया गया। लेकिन उसके साथ आए लोग ओर पुत्र अस्पताल से चले गए। दो घंटे अस्पताल स्टाफ ने उसके पुत्र का इंतजार किया। बाद में पुत्र आया तब महिला को रिफर किया गया।

परासिया। परासिया सिविर अस्पताल में एक युवक अपनी बीमार बेहोश मां को अस्पताल में छोडकर गायब हो गया। महिला की गंभीर स्थिति के कारण उसे रिफर करना था। छिंदवाडा भेजने के लिए अस्पताल स्टाफ बेटे का इंतजार करता रहा लेकिन वह नहीं आया। दो घंटे बाद वह अस्पताल वापस आया तब महिला को रिफर किया गया। महिला छिंदा में निवास करती है। उसका बडा बेटा शराब का आदि है। वह लगातार कुछ दिनों से विवाद कर रहा था। इससे नाराज होकर छोटा बेटा कहीं चला गयां।

इससे मां आहत हो गई। उसकी तबियत बिगड गई। बीपी शुगर सब बढने के बाद बेहोश स्थिति में उन्हें परासिया लाया गया। कुछ लोग साथ आए। वे चले गए। इधर पुत्र गायब होने के बाद लंबे समय बाद अस्पताल आया।

ट्रेन के सामने पुल पर पटरियों पर बैठा नशेडी युवक

लोको पायलट की सूझबूझ से टला बडा हादसा, कुछ दूर पहले रोकी ट्रेन

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया पिपरिया मार्ग पर रेलवे अंडर ब्रिज के उपर सोमवार को दस बजे बडा हादसा टल गया। एक युवक नशे की हालत में ब्रिज के उपर रेल की पटरियों पर बैठ गया। लोको पायलट की सूझबूझ से बडा हादसा टल गया। ये समय आमला छिंदवाडा मैमू ट्रेन आने का होता है। ट्रेन का हार्न सुनकर लोगों की भीड लग गई। लोगों ने उसे हटाने का प्रयास किया। लेकिन वह नहीं हटा। इस बीच ट्रेन आ गई। लोगों ने सांसे रोक ली। लेकिन लोको पायलेट ने सूझबूझ से काम लेकर ट्रेन को कुछ दूर पहले ही रोक दिया।

लोको पायलट इंजन से उतरकर आया। उसने ट्रेन के मैनेजर मनोज दुर्गे को जानकारी दी। मनोज दुर्गे और लोको पायलट युवक के पास पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से नशेडी युवक को पटरियों से हटाया। इसके बाद ट्रेन आगे बढी। इधर युवक फिर पटरियों पर आकर बैठ गया। घटनास्थल पर भारी भीड लग गई। युवक ईडीसी परासिया का निवासी बताया जा रहा है। लोको पायलट यदि सूझबूझ से काम नहीं लेता तो बडा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शी नगर पालिका के सेनेटरी सुपरवाईजर सलीम खान ने बताया कि लोगों को लगा कि ट्रेन आ गई है।युवक के साथ कोई अनहोनी होगी। लेकिन ट्रेन के पायलेट की सूझबूझ से बडा हादसा टल गया।

जनपद पंचायत सभाकक्ष में किसान सम्मान निधि का किया वितरण

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का किया प्रदर्शन

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। जनपद पंचायत परासिया में सोमवार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। जन कल्याण हित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार से किसान सम्मान निधि योजना की राशि पूरे देश के किसानों के खाते में आज डाली। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा अशोक आम्रवंशी, तहसीलदार मोनिका विश्वकर्मा, जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारीगण हितग्राही उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, मटमैले पानी का मुद्दा उठाया

करों में वृद्धि, अवैध कालोनी के नाम पर बांटे नोटिस वापस लेने की मांग की

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस ने बैठक का आयोजन किया। बैठक के बाद सोमवार को साढे तीन बजे एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में करों में वृद्धि को वापस लेने और अवैध कालोनी के नाम पर बांटे गए नोटिस को वापस लेने की मांग की गई। कोयला खदान का पानी मिला मटमैला पानी वितरण का मुद्दा भी उठाया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, परासिया विधायक सोहन बाल्मीक , विधान सभा प्रभारी राजीव तिवारी , ब्लॉक अध्यक्ष कमल राय, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जमील खान और नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद बिजौलिया , बसंत मालवी, वीर बहादुर सिंह और कांग्रेस के पार्षदों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर नारे लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन में मटमैला खदान का पानी सप्लाई होने से स्वास्थ्य पर पड रहे असर की बता कही गई। टैक्स वृध्दि को वापस लेने, अवैध कालोनी के नाम बांटे गए नोटिस वापस लेने सहित , अवैध धंधों को बंद कराने की मांग की गई।

सफाई कर्मचारियों से नपा सभापति ने की चर्चा

खत्म नहीं हुआ गतिरोध, हडताल जारी

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की हडताल जारी है। नगर पालिका कार्यालय के सामने पंडाल लगाकर वे आंदोलन कर रहे है। सोमवार को चार बजे परासिया नगर पालिका के स्वच्छता एवं स्वास्थ्य समिति के सभापति आशीष जायसवाल ने कर्मचारियों से चर्चा की। कर्मचारी नेता रामपाल पथरेला से ज्ञापन के बिंदुओं पर चर्चा की गई। हालांकि गतिरोध दूर नहीं हो सका और हडताल चौथे दिन भी जारी रही।

सकारात्मक माहौल में चर्चा की गई। सभापति ने नगर पालिका की वित्तीय स्थिति और अन्य हालातों की जानकारी दी। कर्मचारियों ने भी अपनी बात रखी। वेतन समय पर नहीं होने पर आपत्ति ली। बताया कि वेतन के अभाव में परिवार को क्या क्या परेशानी होती है। सभापति ने नपाध्यक्ष के समक्ष सभी बातां को रखकर शीघ्र ही नतीजे निकलने का आश्वासन दिया। नगर पालिका के 108 सफाई कर्मचारी 21 फरवरी से हडताल पर है।

डेहरिया मेहरा समाज सुधार समिति के कोसमी मंदिर में हुए निर्वाचन

रमेश डेहरिया अध्यक्ष, कार्यकारी जिला अध्यक्ष बने अधिवक्ता राकेश डेहरिया

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

कोसमी मंदिर में डेहरिया मेहरा समाज सुधार समिति के निर्वाचन किए गए। निर्वाचित कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष रमेश डेहरिया , कार्यकारी जिला अध्यक्ष के पद पर अधिवक्ता राकेश डेहरिया परासिया निर्वाचित हुए। सोमवार को इन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिला डेहरिया समाज सुधार समिति की बैठक चरनलाल डेहरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डेहरिया समाज के भवन के लिए भूमि दान देने वाले भूमि दानदाता दर्शनलाल डेहरिया , समिति के पूर्व जिला अध्यक्ष सिताबीलाल डेहरिया , पी.एल डेहरिया , बालकराम ब्रम्हने ,रामूलाल डेहरिया , रतनलाल डेहरिया , महेश डेहरिया आदि उपस्थित रहे। परासिया ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर मानक डेहरिया , परासिया युवा प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर रजनीकांत डेहरिया, रावनवाड़ा की नियुक्ति की गई। बैठक में कुकडाजगत छिन्दवाड़ा में समाज समिति की स्वयं की भूमि पर अतिशीघ्र भवन निर्माण पर भी विस्तृत चर्चा की गई । महिला प्रकोष्ठ एवं अन्य प्रकोष्ठों का गठन समिति की आगामी बैठक में करने का निर्णय लिया गया इस बैठक में बड़ी संख्या में जिले भर के सजातीय बंधु एवं मात्रशक्तियों की उपस्थिति रही ।

प्रधानमंत्री का अन्नदाताओं के प्रति सम्मान है पीएम किसान सम्मान निधि योजना: केन्द्रीय मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार

जिले के 162675 किसानों के खाते में अंतरित की पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त की राशि

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

नगर के सागर-भोपाल तिराह पर स्थित वन परिसर में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार के मुख्य आतिथ्य में किसान सम्मान समारोह तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त राशि अंतरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र बघेल, कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा,एसपी पंकज पाण्डे तथा राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भागलपुर बिहार से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के माध्यम से 9.8 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि अंतरित की गई है। रायसेन जिले के 162675 किसान भाईयों के बैंक खाते में भी 32 करोड़ 53 लाख 50 हजार रू की राशि अंतरित की गई है।

किसानों को एक साल में मिल रहे 12 हजार रू

कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि किसानों की आमदानी बढ़ाने,उनके विकास और कल्याण के लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार काम रहे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रदेश सरकार द्वारा भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसान भाईयों को एक साल में 12 हजार रू की राशि प्रदान की जाती है। जिसका उपयोग किसान भाई खाद, बीज सहित खेती के अन्य कार्यो के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने लगातार काम किए जा रहे हैं।

आज से 83 परीक्षा केंन्द्रो पर शुरू होगी12वीं की बोर्ड परीक्षा, 31,263 विद्यार्थी होगें शामिल

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं आज 25 फरवरी से जिले में शुरू होगी। जिले में कुल 83 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से 9 केंद्रों को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इस साल परीक्षा में 31,263 विद्यार्थी शामिल होंगे। पहले दिन कक्षा 12वीं का हिंदी विषय का पेपर होगा। जिला मुख्यालय के परीक्षा केंद्रों पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या मुंद्रा की उपस्थिति में बेंच पर रोल नंबर डाले गए। परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए थाने से परीक्षा केंद्र तक की पूरी प्रक्रिया की लोकेशन ट्रैकिंग की जाएगी। नई गाइडलाइन के अनुसार कलेक्टर प्रतिनिधि और केंद्र अध्यक्ष को सुबह 6 बजे थाने में सेल्फी अपलोड करनी होगी। परीक्षा केंद्रों पर 8:30 बजे तक दोनों अधिकारियों को केंद्र के नाम के साथ सेल्फी लेनी होगी। प्रश्नपत्र का बॉक्स 8:45 के बाद खोला जाएगा और इसकी वीडियोग्राफी की जाएगी। परीक्षार्थियों को 8:50 बजे उत्तर पुस्तिका और 8:55 बजे प्रश्नपत्र वितरित किए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा दसवीं के विज्ञान विषय की परीक्षा तिथि में बदलाव किया है। पहले यह परीक्षा 19 मार्च को होनी थी, लेकिन सरकारी अवकाश के कारण अब यह परीक्षा 21 मार्च को आयोजित की जाएगी।

परिवार ने सड़क पर मिला पैसों-गहनों से भरा पर्स लौटाया

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। प्रयागराज से लौट रहे एक परिवार ने ईमानदारी का परिचय दिया है। सोमवार सुबह 9 बजे सागर रोड प्रयागराज से लौट रहे गौतम लोवंशी को सड़क पर एक पर्स मिला। पर्स में 19 हजार कैश और करीब 4-5 लाख रुपये के जेवरात थे। पर्स में एक नंबर की पर्ची भी मौजूद थी। गौतम ने तुरंत थाना कोतवाली का रुख किया। पुलिस ने पर्ची में मिले नंबर पर संपर्क किया। जांच में पता चला कि पर्स गैरतगंज निवासी राखी सिंह का था। वह अपने पति सुशील सिंह के साथ भोपाल में एक शादी समारोह में जाने के लिए निकली थीं। सागर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के सामने उनका पर्स गिर गया था। राखी सिंह ने थाने पहुंचकर अपना पर्स प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि बाइक पर यात्रा के दौरान पर्स गिर गया था। उन्होंने पर्स लौटाने वाले मंडीदीप निवासी गौतम लोवंशी और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। पर्स में रखा सारा सामान सुरक्षित था।

सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का समयावधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराएं

सीएम हेल्पलाईन निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया गया सम्मानित

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, समय सीमा वाले विभागीय पत्रों और शासकीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएमओ औबेदुल्लागंज राजकुमार शर्मा, बाड़ी जनपद पंचायत सीईओ दानिश अहमद खान, ऊर्जा विभाग के वितरण केन्द्र प्रभारी सुकेत तथा पीएचई विभाग के उपयंत्री सतीश बारपेटे को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। बैठक में कलेक्टर श्री अरूण विश्वकर्मा ने सभी अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता से वह स्वयं चर्चा कर वस्तुस्थिति जाने और शिकायत के निराकरण की कार्यवाही से अवगत भी कराएं। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों, हितग्राहियों को किस्त वितरण और आवास निर्माण की प्रगति की जनपदवार समीक्षा कर निर्देश दिए कि अधिकारी ग्रामों का भ्रमण कर आवासों का निरीक्षण करें। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर चना, मसूर तथा सरसों के उपार्जन हेतु किसान भाई 10 मार्च तक करा सकते हैं पंजीयन

रायसेन। भारत सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए एफएक्यू गुणवत्ता के चना उपज का समर्थन मूल्य 5650 रुपए प्रति क्विंटल, मसूर उपज का समर्थन मूल्य 6700 रुपए प्रति क्विंटल और राई-सरसों का समर्थन मूल्य 5950 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जिले के चना, मसूर और राई-सरसों उत्पादक किसान भाई समर्थन मूल्य पर चना, मसूर तथा राई-सरसों के विक्रय हेतु 10 मार्च तक खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीयन करा सकते हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मनचले से परेशान युवती ने किया आत्महत्या का प्रयास

भोपाल। राजधानी की मिसरोद थाना पुलिस ने बैतुल से आयी केस डायरी के आधार पर एक मनचले के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने मनचले से परेशान होकर कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। युवती पढ़ने के लिए बैतूल से भोपाल आई थी, इस दौरान युवक उसे शादी करने का दबाव बनाकर तंग कर रहा था। युवती ने जब विरोध किया तो मनचले ने उसके परिवार को आपत्तिजनक फोटो भेज दिए। इससे परेशान होकर युवती ने कीटनाशक पी लिया। थाना पुलिस ने बताया कि पीड़िता 2 साल पहले पढ़ाई के लिए भोपाल आकर मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित 11 मील पर रह रही थी। लवकेश नाम के युवक से उसकी दोस्ती हुई, जिसके बाद लवकेश युवती पर शादी का दबाव डालने लगा। युवती ने लवकेश को शादी करने से मना कर दिया तो लवकेश ने युवती के मोबाइल फोन से ही उसके परिवार को आपत्तिजनक फोटो भेज दिए। जिसके बाद युवती वापस बैतूल चली गई, लेकिन इसके बाद भी आरोपी लवकेश पीड़िता को लगातार धमकी देते हुए शादी करने का दबाव डाल रहा था। इससे परेशान होकर युवती ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। बैतुल पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही के लिए मिसरोद थाना पुलिस को केस ट्रांसफर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता का इलाज चल रहा है। इलाज के बाद पीड़िता भोपाल आएगी। जिसके बाद उसके बयान दर्ज कर आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

किसान ने पेड़ पर फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। नजीराबाद थाना इलाके में स्थित ग्राम कालूखेड़ी में एक किसान ने पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। फिलहाल आत्महत्या का कारण साफ नहीं हो सका है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि लखन बंसकार पुत्र मिश्रीलाल (50) कालूखेड़ी गांव में परिवार सहित रहते थे। उनके परिवार में पत्नी और चार बच्चे है। लखन खेती के साथ-साथ ढोल बजाने का काम करते थे। सुबह के समय वह घर से खेत में काम करने का कहकर निकले थे। थोड़ी देर बाद खेत जा रहे परिजनों को उनका शरीर एक खेत में पेड़ पर बने फंदे पर लटका नजर आया। लोगो ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के बाद परिजनों को सोप दिया है। जांच टीम का कहना है, कि फिलहाल परिवार वालो के बयान दर्ज नहीं हो सके है। जिसकी वजह से खुदकुशी करने का कारण सामने नहीं आ सका है। परिजनों के बयानों के बाद ही खुदकुशी का कारण सामने आ सकेगा।

राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के डॉक्टर भतीजे के साथ बीच मार्केट में मारपीट

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में स्थित छह नंबर स्टॉप पर नगरीय विकास और आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के डॉक्टर भतीजे दीपराज बागरी के साथ आरोपी अरुण गुर्जर द्वारा मारपीट किये जाने की घटना सामने आई है। प्रतिमा बागरी सतना जिले की रैगांव सीट से विधायक हैं। आरोप है कि अरुण ने मारपीट के दौरान उनके साथ मौजूद महिला डॉक्टर मित्रो के बीच बचाव करने पर उनके साथ भी गाली-गलौच कर धक्का-मुक्की कर डाली। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी सहित उसके साथियो के खिलाफ मामला कायम कर सरगर्मी से उनकी तलाश शुरु कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार फरियादी दीपराज बागरी पिता स्व. सुदर प्रसाद बागरी (28) ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूल रुप से ग्राम वसुधा तहसील नागौद जिला सतना के रहने वाले है, और यहॉ म.न. 333 नीलम चौराहा, संजीव नगर मे रहते है। दीपराज केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी (सीएपीटी) में डॉक्टर हैं। कुछ दिन पहले वह अपने दोस्तो के साथ पचमढी गये थे, ट्रिप पर उनके साथ डा रूचि बागरी एवं रिचा बागरी भी थी। उस समय आरोपी अरुण गुर्जर ने उन्हें फोन लगाकर रिचा बागरी से बात कराने को कहा।

लेकिन उन्होनें अरुण को रिचा से बात कराने मना कर दिया था। इस बात को लेकर अरुण ने उनके साथ फोन पर दुर्व्यवहार भी किया था। करीब 5 बजे दीपराज अपने दोस्त डा रूचि बागरी एवं रिचा बागरी के साथ काम से 6 नबर मार्केट आए हुए थे। तभी अरूण गुर्जर ने उन्हें फोन कर बातचीत करते हुए 6 नम्बर मार्केट के पास मिलने की बात कही। कुछ देर बाद अरुण अपने दोस्तों के साथ थार जीप से 6 नंबर मार्केट आया और आते ही पचमढ़ी ट्रिप के दौरान रिचा से बात नहीं कराने की बात पर गालियासं देने लगा। दीपराज ने जब उसका विरोध किया तब अरुण के दोस्तों ने उसे पकड़ लिया और अरुण ने उसके साथ हाथ-मुक्को से मारपीट कर दी।

पीथमपुर में जहरीले कचरे पर सुनवाई टली

27 फरवरी को है जलाने का आदेश

भोपाल। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के जलने के संबंध में 27 फरवरी से प्रारंभ होने वाले ट्रायल रन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई स्थगित कर दी गई है। सोमवार को इस मामले में इंदौर के सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्र द्वारा दाखिल याचिका की सुनवाई तय थी, परंतु सुप्रीम कोर्ट के जज बीआर गवई के अवकाश पर होने के कारण यह कार्यवाही टल गई।

दूसरी ओर, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को जलाने का आदेश जारी कर दिया है, जिसके तहत 27 फरवरी से पहले चरण की शुरुआत की जाएगी। मिश्र ने बताया कि उन्होंने पहले ट्रायल से पहले ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए आवेदन कर दिया है, और वे 18 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट पहुँचे थे। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश सरकार एवं उसके प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस भेजकर उनसे प्रतिक्रिया मांगी थी। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि 1984 की उस भयानक त्रासदी में 5,479 लोगों की मौत हो गई थी और पांच लाख से अधिक लोग दिव्यांग हो गए थे।

साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य के अधिकार और इंदौर शहर समेत आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए उत्पन्न जोखिमों को ध्यान में रखते हुए इस याचिका का संज्ञान लिया है। 2-3 दिसंबर 1984 की रात को यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से अत्यधिक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव हुआ था, जिसने एक महा त्रासदी का रूप धारण कर लिया था। जस्टिस बीआर गवई और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के 3 दिसंबर 2024 और 6 जनवरी 2025 के आदेशों को चुनौती देते हुए याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की थी।

याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने एडवोकेट सर्वम ऋषम खरे के माध्यम से सुप्रीम अदालत में दायर याचिका में कहा कि वह पीथमपुर में 337 टन खतरनाक रासायनिक कचरे के निस्तारण के अधिकारियों के निर्णय से अत्यंत चिंतित हैं। निस्तारण स्थल के एक किलोमीटर के दायरे में कम से कम चार-पांच गांव स्थित हैं, जहां के निवासियों का जीवन और स्वास्थ्य गंभीर जोखिम में है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि 'गंभीर नदी' औद्योगिक क्षेत्र के पास से बहती है और 'यशवंत सागर बांध' को पानी की आपूर्ति करती है।

18 फरवरी को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सीधे कचरा जलाने के आदेश जारी किए थे। हाई कोर्ट के निर्देशानुसार, पहले चरण में 10 मीट्रिक टन कचरा 27 फरवरी से जलाया जाएगा, उसके बाद 4 मार्च से अगला 10 मीट्रिक टन और 10 मार्च से अंतिम 10 मीट्रिक टन कचरा ट्रायल रन में जलाया जाएगा।

इस प्रकार कुल 30 मीट्रिक टन कचरे का ट्रायल रन किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट 27 मार्च को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। यदि ट्रायल रन के दौरान शासन पक्ष को किसी भी प्रकार की चिंता उत्पन्न होती है, तो वे बीच में ही मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में हस्तक्षेप करने का विकल्प अपना सकते हैं।

एम्स के डॉक्टर ने बनाया बच्चों-बुजुर्गों के लिए खास टूथब्रश

भारत सरकार से कराया पेटेंट, बाजार में जल्द

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स के डॉ. अंशुल राय ने बच्चों व बुजुर्गों के लिए विशेष टूथब्रश बनाया है। यह ब्रश बाजार में सस्ता बिक सके इसके लिए उन्होंने भारत सरकार से इसका पेटेंट भी करा लिया है। उनका दावा है कि जल्द ही ये ब्रस मार्केट में कम रेटों उपलब्ध हो जाएगा। जानकारी के लिए बतादें कि डॉ. अंशुल राय का यह 37वां पेटेंट है। इससे पहले भी वह कई पेटेंट करा चुके हैं। जिससे मरीजों को फायदा मिल रहा है। डॉ. राय लगातार अलग-अलग रिसर्च करते रहते हैं। इसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान मिल चुके हैं।

साफ्ट सिलिकान पैड और साफ्ट ब्रिसल्स से युक्त ब्रस

एम्स दंत रोग विभाग के डॉ. अंशुल राय ने दो नए प्रकार के ब्रश के डिजाइनों का पेटेंट प्रदान किया गया है। डॉ. राय द्वारा विकसित इन ब्रशों को खासतौर पर बच्चों और बुजुगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। बच्चों के लिए बनाया गया ब्रश साफ्ट सिलिकान पैड और साफ्ट ब्रिसल्स से युक्त है, जो सामान्य ब्रश की तुलना में अधिक कोमल है। बच्चों में 13 वर्ष तक दूध के दांत गिरते हैं और नए दांत आते हैं। पारंपरिक ब्रश से ब्रशिंग करने पर कई बार मसूड़ों में दर्द और छाले हो सकते हैं। डॉक्टर अंशुल राय का कहना है कि यह विशेष ब्रश न केवल दांतों की सफाई करेगा है बल्कि मसूड़ों को आराम भी पहुंचाता है। इसकी कोमल बनावट दूध के दांतों को बिना किसी तकलीफ के गिरने में मदद करती है और के उगने की प्रक्रिया की सहज बनाती है। नए दांतों

दांत निकले बुजुर्गों को मिलेगा लाभ

दूसरा ब्रश विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनके सभी दांत निकल चुके हैं। यह ब्रश मसूड़ों और आर्वेस की सफाई के लिए आदर्श है। इसकी कोमल संरचना मसूड़ों की टोनिंग में मदद करती है, जिससे जबड़े की हड्डी के घुलने की प्रक्रिया को रोका जा सकता है और डेंचर को ढीला होने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा, यह ब्रश डायबिटिक मरीजों के लिए भी उपयोगी है, क्योंकि यह मसूड़ों की देखभाल और मसाज में सहायक है, जिससे पाइरिया जैसी समस्याओं की संभावना को कम किया जा सकता है।

चाचा के साथ किताबें खरीदने गई स्कूली छात्रा को डंपर ने रौदां, मौत

सड़क पार करते समय हुआ हादसा, डपंर जप्त, चालक फरार

भोपाल। देहात क्षेत्र के बैरसिया थाना इलाके में चाचा के साथ किताबें खरीदने गई स्कूली छात्रा को को सड़क पार करते समय तेज रफ्तार डंपर ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को पीएम के लिये भेजते हुए डंपर को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गंगापुरा में रहने वाली 17 वर्षीय निधि ठाकुर पुत्री पप्पू सिंह 11वीं कक्षा की छात्रा थी। स्कूल की कॉपी-किताब खरीदने के लिए बीते दिन वह अपने चाचा के साथ कल्याणपुरा गांव गई थी।

यहां पर सामान खरीददारी के दौरान छात्रा सड़क पार कर रही थी, उसी समय तेज स्पीड से आ रहे डंपर ने उसे कुचल दिया। डंपर की चपेट में आने से किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती कार्यवाही के बाद छात्रा का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जहॉ से बाद में शव परिवार वालो को सौंप दिया गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है।

संदिग्ध हालत में तीसरी मंजिल से गिरकर युवक की मौत

भोपाल। पुराने शहर के तलैया थाना इलाके में भोईपुरा निवासी एक युवक की संदिग्ध हालत में मकान की तीसरी मंजिल से नीचे गिरकर मौत हो गई। घटना में उसे जानलेवा चोटें आई थी, हालांकि उसे आसपास के लोगो की मदद से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया है, की अचानक उसका संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया था।

हालांकि मृतक हादसे का शिकार हुआ या फिर उसने आत्महत्या की है, पुलिस दोनो ही बिंदुओ पर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार

भोईपुरा तलैया में रहने वाला अब्दुल खॉन पिता इजराईल खॉन (35) काली मंदिर के पास एक फूल की दुकान पर काम करता था, और नशे का आदी था, उसकी पत्नी लोगों के घरों में काम करती है। दोपहर को अब्दुल दुकान पर गया लेकिन कुछ देर बाद वह दुकान से वापस घर के लिये निकल गया। दोपहर करीब तीन बजे वह घर पहुंचा, उस समय पत्नी काम पर गई थी।

अब्दुल मकान की छत पर चला गया, जहां से अचानक ही तीसरी मजिंल से नीचे रखी लोहे की गुमठी पर जा गिरा। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल हालत में पड़े अब्दुल को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाय। वहॉ उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है, कि जब वो छत पर गया था, तब भी वो नशे की हालत में था, और इसी कारण संतुलन बिगड़ने से वो छत से पीछे की तरफ जा गिरा। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

ड्राइवर शौच करने गया, साथ आये बदमाश पिकअप ले भागे

भोपाल। ईटखेड़ी इलाके में स्थित गोलखेड़ी टोल के पास शनिवार रात इंदौर से भोपाल सेटअप का सामान छोड़ने आए ड्रायवर का पिकअप वाहन उसके साथ आये बदमाश ही चुराकर चंपत हो गए थे। घटना के समय ड्राइवर शौच गया था।

मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर वाहन बरामद कर लिया। वाहन चोरी करने के लिए आरोपियों ने फरियादी को शराब पिलाई थी। फरियादी और आरोपी इंदौर के रहने वाले है, और एक ही वाहन में सवार होकर भोपाल आए थे। पुलिस के अनुसार, मुन्ना सोलंकी (29), मूलरूप से मूसाखेड़ी इंदौर के रहने वाले है, वह अपनी

टाटा एस पिकअप गाड़ी से भोपाल सेटअप का सामान छोड़ने आया था। इसके बाद वह रात करीब 9 बजे काम के लिए साथ आये अन्य लोगो के साथ वापस बैरसिया जा रहा था।

गोलखेड़ी टोल से थोड़ा आगे जाकर उसने गाड़ी खड़ी की और शौच के लिए चला गया। शौच के बाद लौटा तो उसके साथ आये आरोपी पिकअप वाहन चोरी कर भाग चुके थे। उसने अपने स्तर पर वाहन की तलाश करने की कोशिश की, पर जब कोई सुराग नहीं मिला तो ईटखेड़ी थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने घटनास्थल और सडक पर लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए। फुटेज के आधार पर रूटमैप तैयार कर पुलिस ने सोहाया गांव से पिकअप वाहन बरामद कर लिया।

वाहन में पिकअप में चार आरोपी सवार थे। उनके नाम गब्बर वर्मा (32) निवासी शिवदर्शन नगर मूसाखेड़ी इंदौर, पवन वर्मा (50) निवासी पलसीगंज रावजी बाजार इंदौर, अरंविद उर्फ धर्मेन्द्र यादव (30) निवासी श्रीराम नगर पालदा थाना भवरकुंआ इंदौर और राजेश मेहरा (34) निवासी शिवदर्शन नगर मूसाखेड़ी इंदौर बताए गए हैं।

युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

फुटपाथ पर मिली लाश, पास में पड़ा था खून से सना पत्थर

भोपाल। पुराने शहर के गौतम नगर थाना इलाके में उस समय सनसनी फैल गई जब थाने से थोड़ी दूरी पर ही लोगो ने फुटपाथ पर एक युवक की सिर कुचली लाश पड़ी देखी। मृतक के सिर पत्थर से कई वार कर बेरहमी से उसकी हत्या की गई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से खून से सना पत्थर भी मिला है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक लोगो ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया की चिनार बिल्डिंग के पीछे फुटपाथ पर एक युवक का खून से लथपथ शव पड़ा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया। आस पास से पूछताछ करने पर पता चला की मृतक युवक बीते काफी समय से इलाके में घूमता नजर आता था। जॉच में उसकी शिनाख्त विदिशा जिले के रायसेन गेट अंजुमन स्कूल के पास का रहने वसीम (28) पुत्र नसीर के रुप में हुई। वह नशे का आदी था, और बीते कई सालों से भोपाल में रहकर कबाड़ बीनने का काम कर रहा था। पहचान होने के बाद पुलिस ने हादसे की खबर उसके परिवार वालो को दे दी है, उनके आने पर शव का पीएम कराया जाएगा।

मप्र में सर्दी का दौर लौटा, दिन में चल रही ठंडी हवाएं रात का पारा लुढ़का, 2 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर फिर आ गया है। दिन में ठंडी हवा चल रही है तो रातें सर्द हैं। रात में प्रदेश के 3 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। पचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया।

प्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, सागर, शहडोल-रीवा के साथ भोपाल संभाग में भी पारा लुढ़का है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इस दौरान दिन-रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होगी यानी 24-25 फरवरी को भी हल्की सर्दी का एहसास होगा।

पचमंढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा रहा यहां का न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री

सेल्सियस दर्ज किया गया। खजुराहो में 4.6 डिग्री की गिरावट के साथ पारा 10.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। छिंदवाड़ा में 4.2 डिग्री की गिरावट हुई और पारा 13 डिग्री दर्ज किया गया।

कल्याणपुर में 9 डिग्री, शाजापुर से जुड़े गिरवर में 9.3 डिग्री, उमरिया में 10.3 डिग्री, राजगढ़ में 10.6 डिग्री, मंडला में 11.4 डिग्री और बैतूल-नौगांव में 12.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

फरवरी में ऐसा ही रहेगा मौसम

फरवरी के आखिरी दिनों में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। वर्तमान में दक्षिण पाकिस्तान और राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम है। वहीं, उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में भी मौसम बदला है। 24 फरवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। जिसका असर प्रदेश में देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होते हैं।

मध्यप्रदेश फिजियो क्रिकेट टूर्नामेंट का धमाकेदार आगाज

भोपाल। मध्यप्रदेश के विभिन्न प्रंतो एवं अलग अलग विश्वविद्यालय यों से आई हुई टीम्स के बीच दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट खेला जा रहा है। जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के खेल मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति पूनम चौकसे चेयरपर्सन एल एन सी टी ग्रुप एवं चांसलर एलएनसीटी इंदौर रही। प्रथम दिवस फिजियो लीग द्वारा पाँच पाँच मैच आयोजित करे गये जिसमें मानसरोवर विश्वविद्यालय एवं जे एन सी टी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बीच हुआ। दूसरा मैच भोपाल एवं ग्वालियर प्रोफेशनल फिजियोथैरेपिस्ट तथा तृतीय मैच जेएनसीटी पी यू एवं आर एन टी यू एवं मानसरोवर यूनिवर्सिटी के बीच रखा गया। जिनमे क्रमश: प्रिंस डॉ विनोद, डॉ हुसैन, डॉ महावीर मैन ऑफ द मैच रहे। समस्त मैन ऑफ द मैच के विजेताओं को पुरस्कार राशी का चेक एवं ट्रॉफी के द्वारा सम्मानित किया गया।

जीआईएस में मुस्तैदी से तैनात रहा स्वास्थ्य विभाग का अमला

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार की गई चिकित्सा सेवाएं पूरी मुस्तादी के साथ अपने निर्धारित स्थानों पर तैनात रहीं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मुख्य कार्यक्रम स्थल, टेंट सिटी, होटल्स, प्रमुख मार्गो एवं चौराहों पर विभाग द्वारा प्राथमिक एवं आकस्मिक चिकित्सा सेवाएं निर्धारित प्लान के अनुरूप क्रियाशील रहीं। इस दौरान शासकीय अस्पताल, निजी मेडिकल कॉलेज और निजी अस्पताल भी हाई अलर्ट पर रहे। समिट के लिए विभाग द्वारा सामान्य बीमारियों से लेकर आकस्मिक चिकित्सा स्थितियों में उपचार की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं है। समिट में चिकित्सा व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल एवं टेंट सिटी में पहुंचकर चिकित्सा सेवाओं का मुआयना किया गया एवं 108 वाहनों की पोजिशनिंग एवं रिस्पांस टाइम की भी जानकारी ली गई। चिकित्सा व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों द्वारा निर्धारित स्थलों का अवलोकन किया गया इस दौरान सभी चिकित्सा व्यवस्थाएं निर्धारित प्लान के अनुरूप पाई गईं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मेहमानों के लिए प्रोटोकॉल अनुरूप चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाई गई है ।

निवेशकों के लाखों करोड़ के प्रस्ताव की वास्तविकता

मध्य प्रदेश में इस बार बड़े पैमाने पर ग्लोबल इन्वेस्टर समिट आयोजित की गई है। इस समिट में देश और विदेश के बड़े-बड़े उद्योगपति और विदेशी राजनायिक शामिल हुए हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पिछले कई महीनों से इस समिट के लिए काफी प्रयास किए हैं। मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारी भी मध्य प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो, इसके लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। मध्य प्रदेश देश का ऐसा राज्य है जो भारत के मध्य में स्थित है। मध्य प्रदेश में सभी किस्म के प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं। कृषि और खनिज के क्षेत्र में मध्य प्रदेश आत्मनिर्भर है। मध्य प्रदेश राज्य में जल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। मध्य प्रदेश में श्रम संसाधन की कोई कमी नहीं है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश आत्मनिर्भर है। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश औद्योगिक निवेश के लिए सबसे बेहतर राज्य है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो प्रयास किये जा रहे हैं, निश्चित रूप से सराहनीय हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के औद्योगिक निवेश को लेकर रुचि प्रदर्शित की है। प्रधानमंत्री स्वयं इस सम्मेलन को सफल बनाने और मध्य प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो, इसके लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचे हैं। उन्होंने पर्याप्त समय दिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पिछले 1 साल से औद्योगिक निवेश के लिए प्रयास कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के हर क्षेत्र में औद्योगिक विकास की गंगा बहे। इसके लिए मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश के सभी अंचलों में रीजनल समिट आयोजित किये। जिसमें सरकार को 2.34 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। इसी तरह से मध्य प्रदेश पूर्व सरकार ने 2003 से लेकर 2016 के बीच में कई इन्वेस्टर्स समिट आयोजित किए थे। इन समिट में निवेशको ने बड़े-बड़े प्रस्ताव दिए थे। लेकिन औद्योगिक प्रस्ताव का जमीनी अमली जामा 10 फ़ीसदी से ज्यादा देखने में नहीं आया। 2007 में एक लाख 20 हजार करोड रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जिसमें से मात्र 102 निवेशकों ने 17311 करोड़ रुपए का निवेश किया। 2010 में 2.35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इसमें मात्र 109 निवेशकों ने 26879 करोड़ रुपए का निवेश किया। 2012 में 3.50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। 425 निवेशकों ने मात्र 26,055 करोड़ रुपए का निवेश किया। 2014 में मध्य प्रदेश सरकार को 4.35 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इसमें से मात्र 49272 हजार करोड़ के निवेश हुए। 2016 में 5.63 लाख करोड रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। वास्तविकता में केवल 32598 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। यह निवेश 2635 निवेशकों ने किया था। उपरोक्त आंकड़ों से स्पष्ट है, जब समिट होती है, बड़े-बड़े उद्योगपति आते हैं। बहुत बड़े-बड़े प्रस्ताव पर वह अनुबंध करते हैं। जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। अनुबंध होने के बाद मात्र 10 फ़ीसदी ही निवेश मध्य प्रदेश में हो पाता है। ऐसा क्यों होता है ? मध्य प्रदेश सरकार को यह समझना होगा। मध्य प्रदेश सरकार अपने पुराने अनुभव के आधार पर नीतियां बनानी होंगी। जो उद्योगपति यहां पर उद्योग लगाने के निवेश प्रस्ताव लेकर आते हैं, राज्य सरकार के साथ अनुबंध करते हैं। उसके बाद भी निवेश क्यों नहीं हो पा रहा है। इसको लेकर यदि कोई गलती हो रही हो, तो उसमें सुधार करने की जरूरत है। मध्य प्रदेश देश के राज्यों में सबसे शांत प्रदेश के रूप में जाना जाता है। मध्य प्रदेश में पर्याप्त लैंड बैंक है। पानी और बिजली पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। ट्रांसपोर्टेशन की बेहतर व्यवस्था है। देश के मध्य में मध्य प्रदेश स्थित होने के कारण औद्योगिक निवेशकों के लिए मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां पर कम निवेश पर ज्यादा मुनाफे की गारंटी होती है। क्योंकि यहां उत्पादन लागत सबसे कम होती है। बहरहाल सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पूरी तैयारी के साथ मोर्चा संभाला है। निश्चित रूप से इस बार पुराना इतिहास टूटेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास में दूसरे राज्यों से ज्यादा गतिशील होगा। यह आशा की जा सकती है।

भारतीय सियासत का छावा कौन

इन दिनों रजतपट पर विक्की कौशल और छावा दोनों ही धमाल मचा रहे हैं। ऐतिहासिक फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर पूरे जोश में आगे बढ़ रही है और इसकी रफ़्तार धीमी होने का नाम ही नहीं ले रही है। सिनेमाघरों में नौ दिनों तक चलने के बाद, अब यह फि ल्म 300 करोड़ रुपये की बड़ी कमाई करने की ओर बढ़ गई है। खचाखच भरे सिनेमाघरों, जोरदार तालियों और रिकॉर्ड तोड़ कमाई के साथ, छावा ने खुद को साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बना दिया है ।लेकिन सवाल ये है की भारतीय राजनीति का छावा कौन है ? भारतीय राजनीति में भी इतिहास बदलने की होड़ में लगे अनेक किरदार हैं लेकिन असली छावा का पता नहीं चल पा रहा है। कभी छावा की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नजर आते हैं तो कभी अमित शाह। कभी योगी आदित्यनाथ तो कभी राहुल गाँधी। कभी एकनाथ शिंदे तो कभी शरद पंवार। सियासत में हर कोई छावा बनकर छा जाना चाहता है। लेकिन देश की फ़िक्र किसी सियासी छावा को नहीं है। सबको अपनी-अपनी पड़ी है। कहते हैं कि छावा में औरंगजेब बने अक्षय खन्ना की 27 साल में 22 फ्लॉप फिल्में, दी हैं। उनकी फ़ीस भी 2.5 करोड़ रूपये है अक्षय की नेटवर्थ विक्की कौशल से अधिक है। अक्षय खन्ना छावा में औरंगजेब का रोल करके हर किसी की नजर में एक बार फिर से आ गए हैं। अक्षय के काम की खूब तारीफ हो रही है। औरंगजेब के किरदार में उनकी कलाकारी को देखकर हर कोई दंग रह गया है और उन्हें बेस्ट एक्टर्स में से एक के तौर पर काउंट किया जा रहा है ।लक्ष्मण उटेकर के निर्देशन में बनी छावा महान मराठा शासक छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है। विक्की मराठा साम्राज्य के संस्थापक के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज के रोल में हैं। रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले का किरदार निभा रही हैं। अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा और दिव्या दत्ता भी लीड रोल में हैं। आइये अब बात करते हैं भारतीय सियासत के छावा और औरंगजेब की। भारतीय राजनीति में भाजपा ने प्रधामनंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी को छावा और लोकसभामें विपक्ष के नेता राहुल गांधी को औरंगजेब बना दिया है। दोनों अपने-अपने किरदार में जान फूंकने की कोशिश कर रहे है। दुर्भाग्य से सियासी छावा में कोई येशुबाई भैंसले नहीं है। मोदी रणछोड़दास हैं और राहुल ने अभी तक घर नहीं बसाया है। पिछले एक दशक से सियासी छावा और औरंगजेब में ठनी हुई है। मोदी खुद चक्रवर्ती सम्राट बनना चाहते हैं लेकिन राहुल गाँधी बीच-बीच में उनका रथ रोक लेते हैं। लेकिन मैदान किसी ने भी नहीं छोड़ा है। भारतीय सियासत की फिल्म छावा में मोदी और गाँधी के अलावा दूसरे किरदार भी हैं। आप इन्हें ए-1 और ए-2 भी कह सकते हैं और अडानी तथा अम्बानी भी कह सकते हैं इन किरदारों की धूम भारत की सीमाओं के बाहर भी है। एक को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाता है तो दूसरे के खिलाफ अमेरिका की अदालत से वारंट जारी किये जाते हैं। भारतीय सियासत के छावा की नींद 21 करोड़ अमेरिकी डालर की कथित अमेरिकी मदद की खबर भी उड़ा देती है। पहले इस मदद को लेकर कांग्रेस निशाने पर थी अब ये निशाना बदल गया है। निशाने पर मोदी थे किन्तु वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण जी ने ट्रम्प की तोप का मुंह दूसरी और मोड़ दिया। बैशाखियों और तांगों के सहारे दिल्ली और महाराष्ट्र में सरकार चलाने वाली भाजपा के लिए औरंगजेब केवल राहुल गाँधी ही नहीं बल्कि दुसरे भी हैं। बिहार में डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने मोदी -शाह की जोड़ी को साफ़ ढका दिया है की उन्हें हल्के में न लिया जाये ।मोदी जी को तांगेवाले से बचने के लिए महाराष्ट्र की राजनीती के बूढ़े छावा शरद पाँवर के समाने विनम्रता का स्वांग करना पड़ रहा है। वे कभी शाह की कुर्सी पीछे खिसकाते दिखाई देते हैं तो कभी उनका गिलास भरते नजर आ रहे हैं।

चुनौती है बढ़ता तापमान, बदलता वायुमंडलीय पैटर्न

वैश्विक समुद्री बर्फ में खतरनाक गिरावट को रोकने के लिए जलवायु कार्यवाही निर्णायक होनी चाहिए। अनुकूली नीतियों और बेहतर ध्रुवीय निगरानी से जलवायु लचीलापन बढ़ेगा। एक टिकाऊ भविष्य उत्सर्जन को कम करने और ग्रह के नाज़ुक क्रायोस्फीयर की रक्षा करने के लिए सभी के दृढ़ संकल्प पर निर्भर करता है। कई समुदायों में जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए तैयारी का अभाव है। भविष्य में जलवायु सम्बंधी जोखिमों को झेल सकने वाले लचीले बुनियादी ढांचे में निवेश करना समुदायों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

प्रियंका सौरभ

हमारे समाज के सभी सदस्यों, जिनमें शिक्षक, जोखिम संचारक, आपातकालीन प्रबंधक और नगर नियोजक शामिल हैं, को इस बारे पर्यावरणीय शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। पर्यावरणीय शिक्षा के माध्यम से कोई भी व्यक्ति सीख सकता है कि जलवायु परिवर्तन के लिए कैसे तैयार रहा जाए।

पृथ्वी की जलवायु को नियंत्रित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक ध्रुवीय क्षेत्रों में तैरती समुद्री बर्फ की मात्रा है। हालाँकि, बदलते वायुमंडलीय पैटर्न और बढ़ते तापमान के कारण, यह घटकर 15-76 मिलियन वर्ग किमी के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर आ गया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, समुद्री धाराएँ अशांत हो रही हैं, तथा इस गिरावट के कारण चरम मौसम की घटनाएँ और भी बदतर हो गई हैं। दुनिया भर में चरम मौसम की घटनाएँ पृथ्वी की जलवायु में परिवर्तन से प्रभावित हो रही हैं। भीषण वन्य आग, वर्षों तक चलने वाला सूखा, भारी वर्षा, भयंकर बाढ़, भूमि और समुद्र में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की लहरें, तथा तूफानों के दौरान व्यापक बाढ़ की आवृत्ति और तीव्रता सभी बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद से, मानवीय गतिविधियों विशेष रूप से जीवाश्म ईंधनों के जलने के कारण ग्रीनहाउस गैसों की वायुमंडलीय सांद्रता में तीव्र वृद्धि हुई है। मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसें एक कम्बल की तरह काम करती हैं, जो गर्मी को रोक लेती हैं और जैसे-जैसे उनकी सांद्रता बढ़ती है, पृथ्वी को गर्म करती हैं। परिणामस्वरूप पृथ्वी पर हवा और महासागर गर्म हो जाते हैं। भूमि पर बर्फ पिघलती है, मौसम का पैटर्न बदलता है, तथा जल चक्र इस तापमान वृद्धि से प्रभावित होता है, जिससे चरम मौसम की स्थिति और खराब हो जाती है। जलवायु परिवर्तन हमारे समाज को अनेक तरीकों से प्रभावित करता है।

सूखे से मानव स्वास्थ्य और खाद्य उत्पादन पर असर पड़ सकता है। बाढ़ से बुनियादी ढांचे और पारिस्थितिकी तंत्र को नुक़सान पहुँच सकता है और बीमारी फैल सकती है। खाद्य उपलब्धता में परिवर्तन और श्रमिक उत्पादकता को सीमित करने के अलावा, सूखा, बाढ़ और अन्य मौसम सम्बंधी घटनाओं के कारण उत्पन्न मानव स्वास्थ्य समस्याएँ भी मृत्यु दर को बढ़ाती हैं। हमारी परिवहन और संचार प्रणालियों के भौतिक बुनियादी ढांचे में सड़कें, पुल, बंदरगाह, विद्युत ग्रिड, ब्रॉडबैंड इंटरनेट और अन्य घटक शामिल हैं। इसे अक्सर कई वर्षों तक चलने के लिए डिज़ाइन किया जाता है। इसलिए अधिकांश समुदायों में बुनियादी ढांचे का निर्माण जलवायु परिवर्तन पर विचार किए बिना किया गया था। वर्तमान बुनियादी ढांचा हवा, बर्फ, बाढ़, भारी बारिश या तापमान में उतार-चढ़ाव जैसी गंभीर मौसम स्थितियों को संभालने में सक्षम नहीं हो सकता है। इन घटनाओं के प्रभाव कई अलग-अलग रूप ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, उच्च तापमान के कारण घर के अन्दर अधिक ठंडक की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा ग्रिड पर दबाव पड़ सकता है। अप्रत्याशित रूप से अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली बाढ़, जो तूफानी जल निकासी क्षमता से अधिक होती है, प्रमुख मार्गों, व्यवसायों और राजमार्गों को बंद कर सकती है।

समुद्र स्तर में वृद्धि के कारण तटीय अवसंरचना, जैसे जल आपूर्ति, सड़कें, पुल और बहुत कुछ, खतरे में हैं। चूंकि बहुत-सी आबादी तटीय क्षेत्रों में रहती है, अतः इससे होने वाले जोखिम से लाखों लोग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय कटाव और उच्च ज्वार के कारण बाढ़ आ सकती है। शोध से पता चलता है कि कुछ समुदाय वर्ष 2100 तक समुद्र तल पर या उससे नीचे पहुँच जाएंगे। अब यह उन पर निर्भर करेगा कि वे क्या करें। प्रबंधित वापसी नामक प्रक्रिया के दौरान, समुदाय संभवतः तटरेखा से दूर चले जाएंगे और अपने बुनियादी ढांचे में बदलाव करेंगे। समुद्री बर्फ में वैश्विक गिरावट के लिए मुख्य रूप से महासागरीय ऊष्मा परिवहन ज़िम्मेदार है। जब गर्म महासागरीय धाराएँ ध्रुवीय क्षेत्रों में प्रवेश करती हैं, तो समुद्री बर्फ आधार पर तेजी से पिघलती है। अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) द्वारा गर्म पानी आर्कटिक में लाया जाता है, जो बर्फ की स्थिरता को कम करता है। ये जलवायु पैटर्न समुद्री और वायुमंडलीय स्थितियों के साथ-साथ बर्फ के निर्माण और पिघलने की दर को भी प्रभावित करते हैं। 2015-2016 की अल नीनो घटना ने समुद्र के तापमान में वृद्धि करके अंटार्कटिका के समुद्री बर्फ को रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुँचा दिया। बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों से एरोसोल निकलते हैं, जिनमें अस्थायी रूप से वायुमंडल को ठंडा करने की क्षमता होती है, लेकिन वे दीर्घकालिक रूप से महासागरों के गर्म होने में भी योगदान देने वाले कारक हो सकते हैं। 2022 के हंगा टोंगा विस्फोट से जल वाष्प समताप मंडल में छोड़ा गया, जिससे समय के साथ वार्मिंग प्रभाव में संभावित रूप से वृद्धि हुई। अधिक शक्तिशाली तूफानों के कारण नाज़ुक समुद्री बर्फ टूट जाती है, जिससे पिघलने और समुद्री धाराओं के कारण उसके प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है। 2024 में बेरेंट्स और बेरिंग सागर में तूफानों के कारण बर्फ टूट जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप आर्कटिक सागर में बर्फ का आवरण रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुँच जाएगा। मीथेन औरकार्बन डाईऑक्साइड वायुमंडल में ऊष्मा को रोकते हैं, जिससे वैश्विक तापमान बढ़ता है और ध्रुवीय बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

धन्यवाद मंत्री जी, अपना दर्द सार्वजनिक करने के लिए

चैतन्य भट्ट

कभी सरकारी कंपनी रही एयर इंडिया के निजीकरण का फर्क सामने आने लगा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भोपाल से दिल्ली यात्रा के दौरान एक टूटी सीट पकड़ा दी गई। मंत्री जी ने यह मात्र दो घंटे की यात्रा किसी तरह खत्म की और सोशल मीडिया पर ऐ टीवीसा दुखड़ा रोया कि लोगों के आंसू नहीं रुक रहे।

मंत्री जी और अन्य लोग जो चाहे कहें मगर निजी एयर इंडिया की इस सर्वधर्म समभाव और न्यायप्रियता वाली भावना की दिल से कद्र किया जाना चाहिए।? जरा सोचिए, अगर यह सरकारी एयर इंडिया का जमाना होता तो क्या संभव था ? गाज यकीनन किसी दूसरे बेचारे से यात्री पर गिरती जिसकी चैतन्य भट्टअच्छी सीट पर बैठकर शिवराज सिंह यात्रा करते और वह यात्री उस टूटी सीट पर धंस कर हुआ बैठा हुआ हिचकोले खाता और इंडिया को कोसता।

लगता तो नहीं मगर क्या ही अच्छा होता जो माननीय रेल मंत्री महोदय भी इस घटना से कुछ सबक लेते। दरअसल नेता गण रेल से यात्रा करते ही कहां है ? जब सरकारी खर्च पर उड़न खटोले पर बैठकर सट्ट से कहीं भी पहुंचना संभव हो तो ऐसी हिमाकत कौन नेता करना चाहेगा। नेता जी तो रेल से तभी यात्रा करते हैं जब पूरे रास्ते जन समर्थन के सैलाब का जलवा दिखाना हो। और उस पर सरकारी रेल महकमा पूरी यात्रा के दौरान दिल खोलकर मेहरबान रहता है। हर स्टेशन पर महकमे के अफसर हाथ जोड़कर खड़े मिलते हैं। मान्यवर को कोई तकलीफ़ तो नहीं हो रही ? माननीय के इंतजार में ट्रेन लेट भी करा दी जाती है।

रहा सवाल आम आदमी का सो वह असुविधाजनक यात्रा करने पर मजबूर होता है। येन केन प्रकारेण फायदा कमाने के लिए सेवाओं के अंधे निजीकरण ने रेलवे को सुविधा नहीं बल्कि धंधा बना दिया है। अतिरिक्त पैसे देकर आरक्षित टिकट से यात्रा कर रहा आदमी चुपचाप सीट के एक कोने में बैठा रहता है और बिना टिकट लोग मजे से पैर फैलाकर बैठते हैं।? स्टेशनों पर छाई अव्यवस्थाएं किसी परिचय की मोहताज नहीं है। रेट से अधिक पैसे देकर बासी खाना खरीदना होता है क्योंकि भूख भूख है और विरोध करने पर भूखे रहने के साथ पिटने का शास्वत खतरा भी रहता है। पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए आदमी पैसे चुकाने के लिए मजबूर हैं।? कई स्टेशनों पर तो ठेकेदार आदमी से मूत्र विसर्जन जैसी सुविधा के लिए भी पैसे वसूलने पर आमादा हैं।

गज़ब की विसंगति है ि आदमी पानी पीने के भी पैसे चुकाए और शरीर से बाहर निकालने के भी ? संस्कारी लोगों को बात कहने का यह तरीका शायद असंसदीय लगे मगर तीखी बात तो ऐसे ही की जाती है। और रेलवे ही क्यों, भला कौन सी ऐसी सरकारी सुविधा है जो बिना सुविधा शुल्क के उपलब्ध है। गरीबों को घर बनाकर देने की सरकारी प्रधानमंत्री योजना में लोग दीवाल पर पन्नी बांधकर रहने को मजबूर होते हैं क्योंकि छत डालने की अगली किश्त के लिए महकमा पैसा मांगता है। सरकारी खर्च पर शौचालय बनाने के काम में कैसा भृष्टाचार हुआ कौन नहीं जानता ? सरकारी कामकाज की जल्दबाजी में लागू अधकचरी कम्प्यूटर तकनीकी व्यवस्था आम आदमी को सरकारी टैक्स जमा करने जैसे काम में भी खून के आंसू रुलाती है। अपने देश का मामला ऐसा अनोखा है कि आदमी सरकार से पैसे लेना तो छोड़िए, सरकार को पैसे देने के लिए भी परेशानियों का सामना करने पर मजबूर है। बात निजीकरण के समर्थन यदि विरोध की नहीं है। सदियों से कहा जाता रहा है, राजा को व्यापार नहीं करना चाहिए। और न्यायप्रिय और बिना किसी भेदभाव के शासन करना। प्रजातंत्र के इस जमाने में राजा तो रहे नहीं, सरकार ही राजा है। व्यापार करने से तो सरकार धीरे धीरे ही सही पीछे हटती दीखती है, मगर न्यायप्रिय और सारे लोगों को समान समझने की जिम्मेदारी निभाती कब नजर आएगी, देखना दिलचस्प होगा। बहरहाल धन्यवाद मंत्री महोदय का अपना दर्द और तकलीफ़ सार्वजनिक करने के लिए। क्या ऐसा ही वे सरकारी सुविधाओं में व्याप्त असुविधाओं के लिए करेंगे ? कहना मुश्किल है। अपना खुद का घाव खुजाने के लिए हिम्मत चाहिए। मगर उम्मीद पे दुनिया कायम है।

परीक्षा के दौरान एक छात्र की मन की स्थिति

परीक्षा बहुत शब्द छात्रों के सबसे अधिक स्टोइक के माध्यम से चिंता का एक लहर भेज सकता है। यह एक सार्वभौमिक अनुभव है एक कक्षा का शांत हम, एक दिल की धड़कन की तरह गुदगुदी घड़ी गूंज, और उम्मीद का वजन नीचे दबाने का वजन। लेकिन वास्तव में सतह के नीचे क्या चल रहा है? इन निर्णायक क्षणों के दौरान एक छात्र की मन की स्थिति क्या है?

उम्मीदों का तूफान कई छात्रों के लिए, परीक्षाएं केवल ज्ञान के परीक्षण नहीं हैं उन्हें उन क्षणों को परिभाषित करने के रूप में देखा जाता है जो उनके भविष्य के पाठ्यक्रम को चार्ट कर सकते हैं। पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक दबाव, और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं एक साथ घूमती हैं, जिससे तनाव का एक आदर्श तूफान पैदा होता है। यह अनगिनत रास्तों के साथ एक चौराहे पर खड़ा है, हर एक अनिश्चितता में क्लोकेड। निराशाजनक प्रियजनों या अपने स्वयं के मानकों को पूरा नहीं करने का डर भारी पड़ सकता है। आत्मविश्वास और संदेह के बीच लड़ाई छात्र के दिमाग के अंदर, एक मूक लड़ाई आत्म-आश्वासन और आत्म-संदेह के बीच बढ़ती है। एक पल, विश्वास का एक उछाल है- मुझे यह मिला है। मैंने कड़ी मेहनत की। अगला, संदेह में रेंगता है- क्या होगा अगर मैं खाली हूं ? क्या होगा अगर प्रश्न मेरी अपेक्षा से अलग हैं ? यह आंतरिक टग-ऑफ-वॉर मानसिक रूप से थकाऊ हो सकता है, ऊर्जा को निकाला जा सकता है जो अन्यथा ध्यान और स्पष्टता में प्रसारित किया जा सकता है। व्यक्ति का अलगाव साथियों से घिरे होने के बावजूद, परीक्षा का अनुभव गहराई से व्यक्तिगत है। प्रत्येक छात्र अपने स्वयं के डर और आशाओं से जूझता है, अक्सर अपने संघर्ष में अलग -थलग महसूस करता है। यह एक एकल नाविक होने के नाविक है, जो तड़का हुआ समुद्र को नेविगेट कर रहा है, जो क्षितिज पर अन्य जहाजों के बारे में जानता है, लेकिन अंततः अकेले स्टीयरिंग करता है। अलगाव की यह भावना तनाव को बढ़ा सकती है, जिससे चुनौतियां दुर्गम लगती हैं। नकल तंत्र और लचीलापन फिर भी, उथल -पुथल के बीच, छात्र उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित करते हैं। वे नकल की रणनीतियों का विकास करते हैं- स्थिर नसों के लिए गहरी साँसें, नोटबुक में स्क्रिबल्ड सकारात्मक पुष्टि, या भाग्यशाली आकर्षण को जेब में टक किया गया। मैरी क्यूरी की कहानी पर विचार करें, जो अपार व्यक्तिगत और सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, अटूट दृढ़ संकल्प के साथ अपनी पढ़ाई में बनी रही। उसने एक बार कहा था, जीवन हम में से किसी के लिए भी आसान नहीं है। लेकिन उस का क्या ? हमें अपने आप में दृढ़ता और सभी आत्मविश्वास से ऊपर होना चाहिए। उसके शब्द अपने स्वयं के बाधाओं को दूर करने के लिए प्रयास करने वाले छात्रों के साथ गूंजते हैं। संतुलन की खोज मामले का क्रूक्स संतुलन है। आत्म-देखभाल के साथ महत्वाकांक्षा, वास्तविकता के साथ अपेक्षाएं और आराम के साथ तैयारी। छात्र अकादमिक उपलब्धि के साथ मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को तेजी से पहचान रहे हैं। शैक्षणिक संस्थान भी अपने पाठ्यक्रम में कल्याण कार्यक्रमों और तनाव प्रबंधन कार्यशालाओं को एकीकृत करते हुए पकड़ने लगे हैं। ग्रेड से परे देख रहे हैं शायद यह पुनर्विचार करने का समय है कि हम परीक्षाओं को पूरी तरह से कैसे देखते हैं। यदि हम विशुद्ध रूप से ग्रेड से समग्र विकास और सीखने के लिए ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, तो हम कुछ अपार दबाव वाले छात्रों को महसूस कर सकते हैं। आखिरकार, एक परीक्षा समय में सिर्फ एक स्नैपशॉट है, न कि किसी की क्षमताओं या क्षमता का पूर्ण चित्र। यहां तक कि अल्बर्ट आइंस्टीन को पारंपरिक स्कूली शिक्षा में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, एक बार एक प्रवेश द्वार परीक्षा में विफल रहा।

महाकुंभ ने व्यापकता के लिए अनेक कीर्तिमान स्थापित किए

इस बार के महाकुंभ ने अपनी व्यापकता के चलते अनेक कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। सबसे बड़ा कारण यही है कि महाकुंभ 144 साल बाद आया है। पिछले महाकुंभ में जो जीवित थे वह अब नहीं हैं। जो इस महाकुंभ में पुण्य स्नान कर पाए हैं वह अगले महाकुंभ में उपस्थित नहीं होंगे। क्यों है महाकुंभ महत्वपूर्ण और इन सबको अपने आप में समेटने वाला तीर्थराज प्रयाग किन मायनों में विशिष्ट है। आईए इन सभी पहलुओं पर धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक नजरिए से दृष्टिपात करते हैं। जैसा कि सर्व विदित है महाकुंभ में सबसे अधिक मान्यता गंगा, यमुना और सरस्वती की है। तो सबसे पहले इन नदियों के महत्व पर वार्ता करते हैं। जहां तक गंगा जी की बात है तो उनका धार्मिक महत्व जीव मात्र के उद्धार से ही जुड़ा हुआ है। यह कथा सभी ने कई बार पढ़ी होगी कि भगवान श्री राम के पूर्वज महाराज सगर ने अश्वमेध यज्ञ का घोड़ा छोड़ा तो उसे इंद्र ने चोरी करके कपिल मुनि के आश्रम में बांध दिया। ऐसा उसने यज्ञ को असफल करने के लिए किया था। क्योंकि इंद्र को आशंका थी, यह यज्ञ संपन्न होते ही राजा सगर इंद्रासन के अधिकारी हो जाएंगे। घोड़े की सुरक्षा में तैनात राजा सगर के पुत्र उसे खोजते हुए कपिल मुनि के आश्रम में पहुंचे और वहां घोड़े को पाकर कपिल मुनि को ही दोषी समझ बैठे और उन पर मिथ्या आरोप करने लगे। इस पर कपिल मुनि ने क्रोध अग्नि से राजा सगर के सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। उनके उद्धार के लिए अनेक सूर्यवंशियों ने तपस्या की ओर अपने प्राण होम कर दिए। इसी वंश में भागीरथ जी उत्पन्न हुए उन्होंने तपस्या करके गंगा मां को पृथ्वी पर आने के लिए मना लिया। किंतु उनका तेज प्रवाह पृथ्वी को रसातल में ना डुबा दे, इसके लिए भागीरथ जी ने शंकर जी की तपस्या की। उन्होंने प्रसन्न होकर गंगा जी को शीश पर धारण करने के लिए सहमति जाता दी। इस प्रकार भगवान वामन के चरण धोने के लिए ब्रह्मा जी के कमंडल से उत्पन्न होने वाली गंगा जी देवलोक से चलकर पृथ्वी की ओर बढ़ीं तो उनका तेज प्रवाह रोकने के लिए शंकर जी ने उन्हें अपनी जटाओं में बांध लिया और फिर अनुशासित तरीके से उनकी धारा को पृथ्वी की ओर प्रवाहित कर दिया। फल स्वरुप राजा सगर के पुत्रों का उद्धार तो हुआ ही, गंगा मैया तभी से जीव मात्र का पृथ्वी पर कल्याण कर रही हैं।

इसके बाद यमुना जी का क्रम आता है। धर्म ग्रंथो के मुताबिक गंगा ज्ञान का, तो यमुना जी भक्ति रस का प्रतीक हैं। यही कारण है कि यमुना जी का भारतीय वांग्मय में अपना उत्कृष्ट स्थान भी है। पुराणों में यमुना के रंग को श्रीकृष्ण के रंग से जोड़ा गया है। यमुना को श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन नदी भी कहा जाता है। भक्ति साहित्य कहता है, यमुना सरस्वती की सहायक नदी है जो बाद में गंगा में मिल जाती है। उस मिलन स्थल को संगम कहते हैं। शास्त्र में यमुना को यमराज की बहन का दर्जा भी दिया गया है। जैसा कि धर्म ग्रंथ बताते हैं, यमराज और यमुना दोनों का ही रंग काला है। मान्यता यह भी है कि यमुना और यमराज सूर्य की दूसरी पत्नी छाया की संतानें हैं। छाया दिखने में काली होती है, इसलिए यमुना और यमराज का रंग भी काला ही हुआ। पौराणिक कथा ये भी है कि श्रीकृष्ण ने यमुना में ही कालिया नाग का वध किया था। फल स्वरूप कालिया नाग के विष से यमुना नदी का रंग और अधिक काला हो गया। तभी से यमुना की कृष्ण भक्ति चरमोत्कर्ष तक पहुंची और आशीर्वाद स्वरूप वह देव नदी गंगा मैया के समकक्ष स्थापित हुई और तीर्थराज प्रयाग में इन दोनों महान नदियों का मिलन हो गया।

इस विषय में तीसरा क्रम सरस्वती नदी का आता है। तीर्थराज प्रयाग में संगम के पास स्थित एक रहस्यमयी स्थल सदैव ही भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा है। यह स्थान है सरस्वती कूप, जिसे सरस्वती नदी का गुप्त स्रोत माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सरस्वती नदी का प्रवाह इसी कूप से होता है और यही जल संगम में जाकर मिलता है। प्रयागराज किले के भीतर स्थित इस कुएं को वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने भी अध्ययन के माध्यम से संगम से जुड़ा पाया है। 2016 में किए गए एक परीक्षण में इस कूप के जल में रंग मिलाकर देखा गया। बाद में यह रंग युक्त जल त्रिवेणी के संगम स्थल पर प्रकट होता पाया गया, जिससे सिद्ध हुआ कि यह जल त्रिवेणी संगम में प्रवाहित होता है। उल्लेखनीय है कि इसे सरस्वती कूप कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सरस्वती का उद्गम बद्रीनाथ के पास माणा गांव से होता है। एक पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि वेदव्यास जब 18 पुराणों की रचना कर रहे थे, तो सरस्वती नदी की तीव्र प्रवाह वाली जलधारा से उत्पन्न ध्वनि के कारण भगवान गणेश को सुनने में कठिनाई हुई। तब भगवान शिव के आदेश पर सरस्वती नदी पाताल लोक की ओर प्रवाहित हो गईं।

एक कथा यह भी प्रचलन में है कि जब महर्षि वेदव्यास जी और गणेश जी पुराणों की रचना कर रहे थे तब सरस्वती नदी का तीव्र प्रवाह वाला जल तेज कोलाहल मचा रहा था। इससे गणेश जी और वेदव्यास जी की एकाग्रता भंग हो रही थी। गणेश जी ने सरस्वती नदी से धीरे बहने का आग्रह किया, इस पर भी सरस्वती नदी का प्रवाह कम नहीं हुआ तो क्रोधित होकर गणेश जी ने सरस्वती नदी को भूमिगत होने का शाप दे दिया। तब से सरस्वती नदी का प्रवाह भूमि के नीचे की ओर हो गया। लेकिन जब वे प्रयागराज पहुंचीं, तो भगवान विष्णु के अवतार वेणी माधव ने उन्हें धरातल पर लौटने और संगम में विलीन होने के लिए राजी किया। इसी कारण सरस्वती कूप को अदृश्य सरस्वती का प्रमाण माना जाता है।

वैदिक काल में सरस्वती की बड़ी महिमा थी और इसे 'परम पवित्र' नदी माना जाता था। क्योंकि इसके तट के पास रह कर तथा इसी नदी के पानी का सेवन करते हुए ऋषियों ने वेद रचे औरा वैदिक ज्ञान का विस्तार किया। सरस्वती नदी को प्लाक्ष्वती, वेदवती, वेद्समृति, अन्नवती, और उदकवती जैसे नामों से भी जाना जाता है। सरस्वती नदी जहां गंगा और यमुना से मिलती है वह संगम स्थल तीर्थराज प्रयाग में सर्वाधिक पवित्र माना जाता है। यही कारण है कि महाकुंभ में संगम सभी श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का केंद्र बना रहता है।

ऐसा भी नहीं है कि तीर्थराज प्रयाग केवल गंगा यमुना और सरस्वती के संगम की वजह से ही विश्व प्रसिद्ध है। ऐसी अन्य कारण भी है जिनके चलते प्रयाग पूजनीय बना हुआ है। इन्हीं में से एक विशेषता है, इस तीर्थ स्थल में अक्षय वट का होना। हमारे धार्मिक ग्रंथ बताते हैं कि ब्रह्मा जी ने अक्षयवट के पास स्थित हवनकुंड में प्रथम यज्ञ और हवन किया था। इसमें 33 कोटि देवी-देवताओं का आह्वान किया गया था। यज्ञ समाप्त होने के बाद ही इस नगर का नाम प्रयाग रखा गया। 'प्र' का अर्थ प्रथम और 'याग' का अर्थ यज्ञ-अनुष्ठान से है। वैसे भी अक्षय' का शाब्दिक अर्थ ही कभी नष्ट न होना होता है। मान्यता तो यह भी है कि भगवान शिव और माता पार्वती ने अपने हाथों से इस अक्षयवट को यहां पर लगाया था। धार्मिक मान्यता है कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश, सदैव ही अक्षय वट में विराजमान रहते हैं। जब धरती पर प्रलय होती है तो उस समय भगवान विष्णु बालक रूप धारण करके इसके पत्ते पर अवतरित होते हैं और सृष्टि का संचालन करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

जीआईएस को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सोमवार को ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का शुभारंभ किया गया, इसमें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहे। इस आयोजन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषण को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं ने तंज कसा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री का भाषण बासी कड़ी में उबाल लाने का प्रयास है। उन्होने कहा कि आज पूरा प्रदेश इन्वेटर समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण बड़ी उम्मीद लगाकर सुन रहा था। प्रधानमंत्री जैसे पद पर आसीन व्यक्ति जब बोलता है तब परिवर्तन और विकास सुनिश्चित होता है, किंतु उनके रटे-रटाये भाषण में न कोई दृष्टिकोण था, न ही कोई संकल्प था। प्रदेशवासियों को उनसे औद्योगिक विकास के लिए कोई विशेष पैकेज एवं घोषणा की अपेक्षा थी और वे यह भी बताते कि पिछली भाजपा सरकारों में की गई इन्वेस्टर समिट की विफलताओं के क्या कारण थे, जिसमें दावों के अनुपात में महज 3 प्रतिशत का ही निवेश आया? जीतू पटवारी ने कहा कि मप्र में औद्योगिक विकास के जरिये गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है, इस आशा से हम प्रदेश के पधारे निवेशकर्ताओं और उद्योगपतियों का आत्मीय स्वागत करते हैं, अभिनंदन करते हैं। पटवारी ने कहा कि मैं आप सभी का स्वागत करते हुये यह कहना भी चाहता हूं कि मेरे मध्य प्रदेश की एक अलग परंपरा और पहचान है। देश का हृदय प्रदेश भी औद्योगिक विकास के जरिए गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से लड़कर, उन्हें दूर करना चाहता है। मैं मानता हूं कि प्रदेश में उचित निवेश बड़ी समस्याओं से निपटने के लिए औद्योगिक उन्नति सुधार का एक बड़ा रास्ता बना सकता है।

कुंभ की तर्ज पर कुबेरेश्वरधाम में इंतजाम, पंडाल-डोम श्रद्धालुओं से भरे, कल से रुद्राक्ष महोत्सव शुरू

सीहोर। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव कल मंगलवार से शुरू हो रहा है। आयोजन को लेकर विठलेश सेवा समिति और प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं में इतना उत्साह है कि दो दिन पहले से ही भीड़ उमड़ने लगी थी। सोमवार रात तक यहां लगे पंडाल और डोम श्रद्धालुओं से भर गए। श्रद्धालुओं ने अभी से बैठने की जगह सुरक्षित कर ली है। मंगलवार तक लाखों श्रद्धालु यहां पहुंच जाएंगे। इस दौरान पंडाल के पीछे बनी भोजनशाला में हजारों की संख्या में आए श्रद्धालुओं को नुक्ति, मिक्कर, रोटी, सब्जी, खिचड़ी-चावल के साथ अन्य प्रसादी का वितरण कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा किया गया गया। सात दिवसीय भव्य रुद्राक्ष महोत्सव में आगामी 27 फरवरी और 1 मार्च को प्रसिद्ध भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। विठलेश सेवा समिति, जिला प्रशासन, ग्रामीण और शहरी समाजसेवियों के अलावा जनप्रतिनिधियों के द्वारा यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसादी, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से करीब 2000 हजार से अधिक सेवादार आए हैं। इसके अलावा प्रशासन के द्वारा तीन हजार से अधिक जवानों पुलिस को तैनात किया गया। एक दर्जन से अधिक विभागों के आला अधिकारियों के अलावा कर्मचारियों की कुंभ की तर्ज पर व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए यहां करीब तीन हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहेंगे। आसपास के जिलों से भी बल बुलाया है। जवान हर प्वाइंट पर तैनात रहेंगे ताकि कोई अव्यवस्था न हो। कुबेरेश्वर धाम पर कंट्रोल भी रूम बनाया गया है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आज लगेंगे परामर्श एवं जांच शिविर

भोपाल। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों का आयोजन आज 25 फरवरी को किया जाएगा। शिविर भोपाल की 66 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित किए जा रहे हैं। शासकीय चिकित्सकों के साथ साथ निजी चिकित्सकों द्वारा भी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आकर परामर्श दिया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को शिविरों का आयोजन किया जाता है। 25 फरवरी को लगाए जा रहे शिविरों में पीपल्स मेडिकल कॉलेज, चिरायु मेडिकल कॉलेज, आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज, सागर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, अपोलो सेज, बीड़कर क्लिनिक, अशोका आईवीएफ सेंटर, यूनिक हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। निजी सोनोग्राफी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी भी की जाएगी।

मध्यप्रदेश में निवेश के नए अवसर, विकास की नई राहें: एमडी यादव

सड़क अवसंरचना में तेजी : निवेश, नवाचार और संभावनाओं पर थीमैटिक सत्र आयोजित

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 के पहले दिन 'सड़क अवसंरचना में तेजी: निवेश, नवाचार और संभावनाएं' थीमैटिक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी, विदेशी निवेश संभावनाओं, सतत एवं स्मार्ट अवसंरचना विकास, बहु-मोडल कनेक्टिविटी और प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना में निवेश के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सत्र में एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक श्री भरत यादव, सेवानिवृत्त महानिदेशक, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय आई.के. पांडेय, क्षेत्रीय अधिकारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एस.के. सिंह, मुख्य परिचालन अधिकारी क्यूब हाईवेज डॉ. राजू, प्रबंध निदेशक पाथ इंडिया नितिन अग्रवाल, कार्यकारी उपाध्यक्ष एसबीआई कैप्स मुकुल मोदी सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया। मध्यप्रदेश में सड़क अवसंरचना क्षेत्र में निवेश और विकास की संभावनाओं पर गहन विमर्श हुआ।

सत्र की शुरुआत में एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक यादव ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें मध्यप्रदेश के सड़क नेटवर्क, निवेश अवसरों और नवाचारों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश तेजी से भारत के

इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश 47 राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ा हुआ है और 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क इसे देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों से जोड़ता है। इसके अलावा, राज्य में 6 वाणिज्यिक हवाई अड्डे, 26 एयर-प्स और एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा हैं, जो वैश्विक कनेक्टिविटी को और अधिक सशक्त बना रहे हैं। राज्य सरकार बहु-मोडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे रही है, जिससे औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियां सुगम हो रही हैं।

थीमैटिक सत्र में राज्य में चल रही और आगामी प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इनमें अटल प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, नर्मदा प्रगति पथ, मालवा-निमाड़ विकास पथ, बुंदेलखंड विकास पथ और मध्य भारत विकास पथ जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इनका उद्देश्य प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देना और निवेशकों के लिए लॉजिस्टिक्स एवं परिवहन सुविधाओं को सुगम बनाना है।

सत्र में यह भी बताया गया कि राज्य में 75 हजार करोड़ रूपये की सड़क परियोजनाएँ वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, 50 हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएँ डीपीआर चरण में हैं और 1.3 लाख करोड़ रूपये की सड़क परियोजनाएँ पाइपलाइन में हैं। इसके अलावा, मध्यप्रदेश सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को सफलतापूर्वक लागू करते हुए अब तक 137 से अधिक सड़क परियोजनाएँ पूरी की हैं। इससे निवेशकों का भरोसा और अधिक बढ़ा है।

प्रदेश सरकार ने निवेशकों को पारदर्शिता, सुरक्षा और लाभदायक अवसरों का आश्वासन दिया है। निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार ई-टेंडरिंग, डिजिटल भुगतान सुविधा, समय से पहले परियोजनाओं को पूरा करने पर बोनस और विभिन्न सरकारी सहयोगी योजनाओं का लाभ दे रही है। मध्यप्रदेश भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते राज्यों में से एक है और इंफ्रास्ट्रक्चर लीडर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश उनकी विकास यात्रा का एक सशक्त भागीदार बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सत्र में एक पैनल चर्चा भी हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस चर्चा में आई.के. पांडेय (सेवानिवृत्त महानिदेशक, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय), एस.के. सिंह (क्षेत्रीय अधिकारी, एनएचएआई), डॉ. राजू (मुख्य परिचालन अधिकारी, क्यूब हाईवेज), नितिन अग्रवाल (प्रबंध निदेशक, पाथ इंडिया) और मुकुल मोदी (कार्यकारी उपाध्यक्ष, एसबीआई कैप्स) ने भाग लिया।

जीआईएस-भोपाल में स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन 'फ्यूचर फ्रंटियर्स' का आयोजन आज

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में बहुप्रतीक्षित स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन 'फ्यूचर फ्रंटियर्स' का आयोजन 25 फरवरी 2025 को सुबह 11:00 बजे, सेमिनार हॉल 3, मानव संग्रहालय, भोपाल में किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य नवोदित स्टार्ट-अप्स को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी नवीनतम समाधानों (इनोवेटिव सॉल्यूशन्स) को प्रदर्शित कर सकें, निवेश आकर्षित कर सकें और रणनीतिक साझेदारियों को बढ़ावा दे सकें।

भाग लेने वाले स्टार्ट-अप्स को एंजेल इन्वेस्टर्स, वेंचर कैपिटलिस्ट्स और बिजनेस एवं इनक्यूबेशन एक्सपर्ट्स की एक चयन समिति द्वारा सावधानीपूर्वक शॉर्ट लिस्ट किया गया है। मूल्यांकन के लिए समाधान की नवीनता, उत्पाद/सेवा की व्यावहारिकता, बाजार का आकार, राजस्व वृद्धि की संभावनाएँ, वित्तीय प्रक्षेपण (फाइनेंशियल प्रोजेक्शन), एक्जिट ऑप्शन्स, व्यापार मॉडल की स्थिरता और प्रमुख उपलब्धियों जैसे विभिन्न मापदंडों पर ध्यान दिया गया है। इस चयन प्रक्रिया का उद्देश्य सबसे होनहार स्टार्ट-अप्स को प्रतिष्ठित जूरी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर देना है।

इस आयोजन के लिए प्रतिष्ठित जूरी में रोनाल्ड फर्नान्डिस, एआईसी-आरएनटीयू फाउंडेशन, अपूर्व गैवक, एसजीएसआईटीएस इनक्यूबेशन फोरम; डॉ. फ़ेरोज़ खान सूरी, आईअईसीई, आयसर-भोपाल, अजय जैन, सिल्वर नीडल वेंचर्स; राजेश सहगल, इक्विनिटी वेंचर्स; सुबीना त्रिवेदी, आईटीआई ग्रोथ; अंशुमान शर्मा, वीएएसपीएल इनिशिएटिव्स; श्रीमती अमृता शिंगवेक, इजीसीड; आयुष दुबे, वेंचर कैटेलिस्ट्स और मयुरेश राउत, सीफंड शामिल हैं।

सत्र के दौरान, शॉर्टलिस्ट किए गए 25 स्टार्ट-अप्स अपने बिजनेस पिच को एंजेल इन्वेस्टर्स, अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स, वेंचर कैपिटलिस्ट्स, इनक्यूबेटर्स और उद्योग विशेषज्ञों की एक पैनल के सामने प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य इन उच्च-सम्भावित स्टार्ट-अप्स को ऐसे निवेशकों से जोड़ना है, जो न केवल वित्तीय सहायता प्रदान कर सकते हैं, बल्कि उन्हें परामर्श (मेंटोरशिप) और रणनीतिक मार्गदर्शन भी दे सकते हैं, जिससे वे अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकें। जूरी सदस्य स्टार्ट-अप्स का मूल्यांकन उनके नवाचार, विस्तार की संभावनाओं और संबंधित उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर करेंगे।

सेशन में कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमोटिव, शिक्षा, खाद्य एवं पेय पदार्थ, हरित प्रौद्योगिकी (ग्रीन टेक्नोलॉजी), स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान, आईटी सेवाएँ, गैर-नवीकरणीय ऊर्जा, व्यावसायिक और वाणिज्यिक सेवाएँ, नवीकरणीय ऊर्जा, रिटेल, वस्त्र एवं परिधान (टेक्सटाइल्स एंड अपैरल), अपशिष्ट प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) आदि क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्ट-अप्स भाग लेंगे।

सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो-2025

वस्त्र और परिधान निर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल। सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो में विशेष आकर्षण के अन्तर्गत भोपाल ओडीओपी उत्पाद जैसे जरी जरदोजी, ब्लॉक प्रिंट, बाग प्रिंट साड़ियों और सूट की खादी संघ और राष्ट्रीय फैशन डिजाइन संस्थान, उमंग श्रीधर डिजाइन,प्रतिभा ,राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,वर्धमान कंपनी के स्टॉल्स लगाए गए।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025, में 'सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो-2025' प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश को वस्त्र और परिधान निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। यह आयोजन राज्य की फाइबर उत्पादन, वस्त्र निर्माण और फैशन नवाचार में ताकत को उजागर करता है, साथ ही निवेश के अवसरों को भी बढ़ावा देता है।

प्रदर्शनी ,महेश्वरी और चंदेरी साड़ियों की प्रदर्शनी, मृगनयनी के स्टॉल, जिनमें गोंड पेंटिंग और बाग प्रिंट दृश्यों के साथ घरेलू सजावट का प्रदर्शन किया गया। एक्सपो में मध्य भारत

मप्र का हर शहर है आर्थिक केंद्रएमएसएमई पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य के लिये एमएसएमई उपलब्ध करा रहा है नये अवसर

भोपाल। मध्यप्रदेश का हर शहर अपने आप में एक आर्थिक केंद्र है। इंदौर में फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल और ऑटो-कंपोनेंट के क्लस्टर हैं। प्रदेश में एक विविध औद्योगिक परिदृश्य है जो एमएसएमई के लिए नए अवसर देता है।

राज्य में सूती वस्त्र, कृत्रिम कपड़े, चीनी मिलें, वनस्पति तेल, सोयाबीन तेल, सीमेंट, भारी विद्युत उपकरण, कागज और फर्नीचर जैसे उद्योग स्थापित हैं। इसके अलावा 15 से ज्यादा औद्योगिक क्लस्टर हैं। प्रत्येक क्लस्टर की अपनी विशेषज्ञता है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भारतीय उद्योग परिसंघ मध्य प्रदेश ने एमएसएमई के विकास के लिए नए अवसरों की पहचान के लिए विशेषज्ञों की विशेष

मीटिंग बुलाई है। सुधीर मुतालिक, सदस्य-सीआईआई राष्ट्रीय परिषद ने कहा की मध्यप्रदेश के तेज गति से आर्थिक विकास करने के लिए एमएसएमई के सभी सेक्टरों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश से जुड़े कई राज्यों ने पारंपरिक कारणों से एमएसएमई के क्षेत्र में आगे बढ़कर काम किया है। मध्यप्रदेश में इसकी असीम संभावना है। अब इस सेक्टर को और अधिक आगे बढ़ाने के लिए नई नीति भी आ गई है।

मप्र भारत के प्रगतिशील राज्यों में से एक

कृषि, पर्यटन, खनिज और फार्मास्युटिकल्स में है निवेश की असीम संभावनाएँ

भोपाल। मध्यप्रदेश भारत के प्रगतिशील राज्यों में से एक है। कृषि, पर्यटन, खनिज और फार्मास्युटिकल्स में है निवेश की असीम संभावनाएँ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के अंतर्गत सेशन ग्लोबल साउथ - रीजनल इन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट को-ऑपरेशन में डेलीगेट्स ने यह विचार व्यक्त किये।

अध्यक्ष सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र सुश्री स्वाति सालगांवकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ देशों के साथ भारत आर्थिक, व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिये लगातार कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश भी इन देशों के साथ सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध बढ़ाने के लिये अग्रणी

भूमिका निभा रहा है। दुष्यंत ठाकुर ने ग्लोबल डेवलपमेंट पैक्ट के बारे में जानकारी दी। सुश्री मार्टिन मायरे ने भी विचार व्यक्त किये।

दक्षिण अफ्रीका के फर्स्ट सेकेट्री पॉलिटिकल खाटूटशेलो इ. थगवाना ने कहा कि भोपाल में आयोजित यह समिट निवेश के साथ संबंधों को समृद्ध करने में भी बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। हम मिलकर कार्य करेंगे और निवेश के विभिन्न क्षेत्रों को एक्सप्लोर करेंगे। रवांडा की हाई कमिश्नर सुश्री जैकलिन मुकानगिरा ने कहा कि भोपाल की मेरी यह पहली यात्रा है।

मध्यप्रदेश की इन्वेस्टमेंट पॉलिसी निवेशकों के लिये है उपयोगी

वियतनाम के फर्स्ट सेक्रेटरी सुश्री हांग थियेन ने कहा कि मध्यप्रदेश की इन्वेस्टमेंट पॉलिसी निवेशकों के लिये बहुत उपयोगी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि निवेशक इसका पूरा लाभ उठायेंगे। माली के एम्बेसडर फेलिक्स डिआलो, थाईलैंड के काउंसिल जनरल, मुंबई डोनाविट पूलसाबट और मेक्सिको के ट्रेड कमिश्नर डेनियल डेलगाडो ने भी मध्यप्रदेश की इन्वेस्टमेंट पॉलिसी की सराहना की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मध्यप्रदेश द्वारा किये जा रहे प्रयासों से इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा।

आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्र में असीम संभावनाएँ हुई हैं विकसितः राजेन्द्र शुक्ल

विशेष प्रस्तावों के लिए वन-टू-वन चर्चा कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे आवश्यक प्रावधान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में हेल्थ सेक्टर महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार का प्राथमिक लक्ष्य है। मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाएँ तेज गति से बढ़ रही हैं। निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अधोसंरचना विकास और सहयोगी इन्वेस्टर पॉलिसी से निवेश बढ़ रहा है।

आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्र में असीम संभावनाएँ विकसित हुई हैं। आज हेल्थ सेवा क्षेत्र की जरूरतों की पूर्ति के लिये निजी क्षेत्र के पास असीम अवसर हैं। वर्तमान में भारत में और मध्यप्रदेश में मांग की कोई कमी नहीं है। राज्य में कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में ड्राई पोर्ट हैं और लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से यह एक उपयुक्त राज्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष प्रस्तावों के लिए वन-टू-वन चर्चा कर जनहित में आवश्यक प्रावधान भी करेंगे। जिससे सभी को लाभ मिले सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने हेल्थ केयर, फार्मास्युटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइसेज सेशन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में निवेश के लिये निवेशकों को आमंत्रित किया।

राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि सरकार की नीयत और नीतियाँ औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में अभूतपूर्व औद्योगिक वातावरण बना है, जिससे निवेशकों को आकर्षित किया जा रहा है।

सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार अमित अग्रवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस नीति, लॉजिस्टिक हब और केंद्रीय लोकेशन के कारण इस क्षेत्र के लिए एक आदर्श गंतव्य बनता जा रहा है। मध्यप्रदेश में उज्जैन मेडिकल डिवाइस पार्क के माध्यम से इस क्षेत्र को और गति मिल रही है, जिससे निवेश और उत्पादन को बल मिलेगा।

मोहन ने मोहा मन, उद्योग जगत की हस्तियां हुई प्रसन्न

भोपाल। मप्र विकास के सपनों की उछाल को पंख लगने लगे हैं। ग्लोबल इंवेस्टर समिट के पहले दिन शामिल हुए देश दुनिया के उम्मीदवार माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के उत्साह भरे प्रयासों को देखकर आश्चर्य चकित भी हुए और अपने निवेश की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त भी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की मौजूदगी ने उनके भरोसे पर गारंटी का लॉक भी कर दिया है। जो आया, खुश हुआ... संतुष्ट हुआ और यहां एक कोना अपने नाम का बसाने के लिए लालायित भी दिखा।

सौर ऊर्जा की चमक

सोलर एनर्जी सत्र में सात कंपनियों ने निवेश के लिए एमओयू साइन किए, जिससे रीवा सोलर प्लांट और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क जैसी परियोजनाओं को बल मिलेगा

- रीवा सोलर प्लांट और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क की चर्चा देश भर में है। नीमच, मंदसौर, शाजापुर में नए प्रोजेक्ट संचालित हो रहे हैं
- अवाडा समूह के विनीत मित्तल ने 15,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की, जबकि अन्य निवेशकों ने मध्य प्रदेश की इंडस्ट्रियल ग्रोथ और ग्रीन एनर्जी संभावनाओं की सराहना की।

मित्तल लगाएंगे मालवा और बुंदेलखंड में उद्योग

अवाडा समूह के विनीत मित्तल ने कहा कि हमारा समूह मालवा और बुंदेलखंड में नए उद्योग लगाएगा

- विकसित भारत बनाने के लिए मध्य प्रदेश भी अग्रणी भूमिका निभाएगा
- मित्तल ने कहा कि मध्य प्रदेश में जल देवी, वायु देवी की कृपा है। ग्रीन एनर्जी उत्पादन के लिए मध्य प्रदेश अनुकूल है। हमारा समूह 15 हजार करोड़ का निवेश करेगा।

बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान

- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने टोरेंट पावर प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा की
- मध्य प्रदेश में निवेश के अवसरों, ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार और एक स्थायी भविष्य के लिए मध्य प्रदेश के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया
- इस चर्चा में जिगीश मेहता, निदेशक (उत्पादन) और ओम प्रकाश नैनवाल, सहायक महाप्रबंधक (भूमि, संपर्क) शामिल

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में एसबीआई के स्टॉल का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक द्वारा किया गया

भोपाल। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के स्टॉल का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक चंद्रशेखर शर्मा द्वारा किया गया। इन्दिरा गांधी मानव संग्रहालय परिसर में आयोजित इस समिट का उद्देश्य निवेशकों को राज्य में निवेश के अवसरों से अवगत कराना है। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक शर्मा ने बताया कि एसबीआई हमेशा ही भारत सरकार और राज्य शासन की नीतियों के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग करती रहा है और इस समिट के माध्यम से एसबीआई राज्य की आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में सहयोग हेतु तत्पर है। एसबीआई के स्टॉल पर बैंक की विभिन्न वित्तीय सेवाओं और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिससे निवेशकों को अपने व्यवसायों के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके।

कई कारणों से तुर्की और भारत के लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट्स की होने लगी तुलना

दोनों ने 2010 में ही अपने-अपने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के लिए परियोजनाएं शुरू की थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तुर्की ने 2024 में अपने 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कान की पहली उड़ान भरी, जबकि भारत का एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट अभी भी विकास के शुरुआती चरणों में है। यह दोनों देशों के बीच एक दिलचस्प तुलना का विषय बन चुका है, क्योंकि दोनों ने 2010 में ही अपने-अपने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के लिए परियोजनाएं शुरू की थीं। जबकि तुर्की ने कान विमान के पहले प्रोटोटाइप को उड़ा लिया है, भारत का एएमसीए अभी तक प्रोटोटाइप मॉडल तक ही सीमित है, और इसकी पहली उड़ान 2028 के बाद ही संभव हो सकती है। तुर्की ने

2010 में अपने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट की घोषणा की थी, और इसके तहत कान विमान के डिजाइन और निर्माण का जिम्मा तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज को सौंपा गया। वहीं, भारत का एएमसीए प्रोजेक्ट कई कारणों से धीमा पड़ा हुआ है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने 2010 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी, लेकिन नौकरशाही की देरी और फंड की कमी ने इसके विकास को प्रभावित किया है। एएमसीए में स्टील्थ टेक्नोलॉजी, सुपरक्रूज़, एईएसए रडार और इंटरनल हथियार बे जैसे फीचर्स होंगे, लेकिन भारत का लक्ष्य एक स्वदेशी इंजन विकसित करने का भी है। हालांकि, भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के पास आवश्यक संसाधन और तकनीकी क्षमता है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक अड़चनों ने प्रोजेक्ट की गति को धीमा किया है।तुर्की ने पहले ही कई ठोस कदम उठाए हैं, जैसे कि डिजाइन फैसले, इंजन की विकास प्रक्रिया और सैन्य सहायता से जुड़े रणनीतिक निर्णय। इसके विपरीत, भारत में ऐसे निर्णयों को राजनीतिक और नौकरशाही स्तर पर अवरोधों का सामना करना पड़ता है। तुर्की का कान विमान एफ-16 जैसे पुराने अमेरिकी विमान के बेड़े को बदलने और इसे निर्यात करने का लक्ष्य रखता है।

अभिनेता अक्षय कुमार ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज (एजेंसी)। अभिनेता अक्षय कुमार का संगम में डुबकी लगाते हुए उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह संगम में आस्था की डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं। डुबकी लगाने के बाद अक्षय ने महाकुंभ के इंतजामों की तारीफ की और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। संगम में स्नान करने के बाद अक्षय ने कहा कि बहुत ही मजा आया, बहुत बढ़िया इंतजाम किए गए हैं। अक्षय ने कहा कि 2019 में जब पिछला कुंभ हुआ था, तब लोग गठरी बांधकर आते थे, लेकिन इस बार महाकुंभ में बड़े-बड़े लोग पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार अंबानी-अडानी आ रहे हैं, बड़े एक्टर आ रहे हैं। यह देखना बहुत अच्छा लग रहा है कि किस तरह महाकुंभ के स्तर को और ऊंचा किया गया है। अक्षय ने महाकुंभ में मौजूद पुलिस, सुरक्षाकर्मी और वर्कर्स की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सभी ने बहुत मेहनत की है और श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा। अक्षय कुमार सफेद कुर्ता-पायजामा पहने हुए नजर आए। जब वह संगम में डुबकी लगाने पहुंचे तो उन्हें देखने उनके फैंस वहां पहुंच गए।

थरूर को मनाने कांग्रेस ने चला बड़ा दांव, मुख्यमंत्री पद का दिया ऑफर

कांग्रेस ने उन्हें मनाना शुरु कर दिया है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर वैसे लंबे समय से अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं लेकिन बढ़ती नाराजगी अनयिंत्रत हुई तो कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ही उन्होंने मोर्चा खोल दिया। बीते एक सप्ताह से आ रहे उनके बयान साफ संकेत दे रहे थे कि वे जल्द कांग्रेस छोड़ेंगे और दूसरी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। कांग्रेस भी जानती है कि थरुर एक कददावर नेता हैं और पार्टी को उनकी जरुरत है। शायद यही वजह है की कांग्रेस ने उन्हे मनाना शुरु कर दिया है और मुख्यमंत्री का ऑफर भी दे दिया है।

चार बार कांग्रेस से सांसद रह चुके शशि थरूर ने हाल ही में केरल कांग्रेस में नेतृत्व के अभाव को लेकर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर अपनी भूमिका को लेकर चर्चा की, जिससे यह अटकलें और तेज हो गईं कि वह पार्टी से दूरी बना सकते हैं। हालांकि, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सुधाकरण ने इस संभावना से इनकार किया और कहा कि थरूर न तो पार्टी छोड़ेंगे और न ही सीपीएम में शामिल होंगे।थरूर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर कांग्रेस अगले विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है, तो वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहेंगे। उनका दावा है कि विभिन्न सर्वेक्षणों में उन्हें केरल में सबसे लोकप्रिय कांग्रेस नेता के रूप में दिखाया गया है।

ट्रंप प्रशासन कर रहा कर्मचारियों की छंटनी, अमेरिका में हो रही आलोचना

लोग बोले-बिल क्लिंटन ने भी किया था यह काम, अरबों रुपए की थी बचत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही सरकारी कर्मचारियों के बुरे दिन शुरू हो गए। बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों ने रिटायरमेंट ले लिया है। वहीं कई विभागों में सरकारी कर्मचारियों की छंटनी कर दी गई है। इसके अलावा एलन मस्क ने कहा है कि जो भी कर्मचारी अपनी वर्क रिपोर्ट नहीं भेजेंगे उनका भी इस्तीफा मान लिया जाएगा। ट्रंप ने मस्क को कॉस्ट कटिंग की जिम्मेदारी दी है।

डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डॉज) के हेड एलन मस्क के इस कदम की अमेरिका में आलोचना हो रही है। ट्रंप और मस्क पहले नहीं हैं जो अमेरिका में इस तरह कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं। 30 साल पहले बिल क्लिंटन और उनके सहयोगी उपराष्ट्रपति अल्बर्ट गोर ने भी यह रणनीति बनाई थी और उसे लागू भी किया था। उस

समय की सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को हटाकर अरबों डॉलर की बचत की थी। क्लिंटन के समय में इस प्लान में भूमिका निभाने वाले लोगों का कहना है कि वह इससे बहुत अलग था। उस समय किसी तरह की परेशानी भी नहीं हुई थी और अरबों डॉलर की बचत भी की गई थी। उन्होंने कहा कि एलन मस्क की तरह अचनाक किसी से नौकरी छोड़ने का नहीं कहा गया था।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में हो सकती है बारिश और बर्फ बारी

मप्र के पचमढ़ी में पारा 6 डिग्री पर पहुंचा, हल्की सर्दी का दौर शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई दिल्ली । मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कल यानी मंगलवार से दो दिन दिन बारिश और बर्फबारी का जताया है। हिमाचल प्रदेश के 4 जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में 26 और 27 फरवरी को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर बारिश-

बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी देखने को मिलेगा। इसके चलते पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 1 मार्च तक बारिश हो सकती है। हालांकि अधिकांश राज्यों में इस हफ्ते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया है। प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर फिर आ गया है। दिन में ठंडी हवा चल रही है तो रात में ठंड हैं। रविवार की रात प्रदेश के तीन शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चल गया। प्रदेश के पूर्वी जबलपुर, सागर, शहडोल-रीवा के साथ भोपाल संभाग में भी पारा लुढ़का गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। इस दौरान दिन-रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आएगी यानी 24-25 फरवरी को भी हल्की सर्दी का एहसास होगा। शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के 3 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

जर्मनी में ओलाफ की हुई हार, ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी को मिला बड़ा जनाधार

अवैध प्रवासियों की संख्या बढ़ने जैसे मुद्दे रहे अहम

बर्लिन (एजेंसी)।

जर्मनी में चुनाव में बड़ा उलटफेर हो गया है और अब सत्ता का संचालन कंजरवेटिव नेता फ्रीडरिक मैर्त्स करेंगे। उनके नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को जीत हासिल हुई है। इसके साथ ही जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने हार स्वीकार कर ली है। इन नतीजों में चौंकाने वाली बात यह है कि कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी को बड़ी संख्या में सीटें मिली हैं। उसका वोट प्रतिशत भी दोगुना होते हुए 20.5 फीसदी हो गया है, जो 2021 में 10.3 फीसदी था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी को इतना बड़ा जनाधार मिला है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने अपनी हार स्वीकार कर ली और कहा कि यह हमारे लिए निराशाजनक है। फ्रीडरिक मैर्त्स के नेतृत्व वाले गठबंधन को 28.5 फीसदी वोट मिले हैं। ओलाफ शोल्ज को मध्यमार्गी विचारधारा का नेता माना जाता है।

बिजनेस

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 857 अंक व निफ्टी में 242 अंक गिरावट

बिकवाली हावी रहने से निवेशकों को पांच लाख करोड़ रुपये का नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। एचसीएल टेक, टीसीएस, इन्फोसिस जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर नीचे आये जिससे भी बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा अमेरिकी अर्थव्यवस्था की विकास की रफ्तार धीमी रहने और टैरिफ चिंताओं से भी निवेशकों के बाजार से जैसा निकालने से भी वह टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 856.65 अंक करीब 1.14 फीसदी की गिरावट के साथ ही 74,454.41 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 242.55 अंक तकरीबन 1.06 फीसदी नीचे आकर 22,553.35 पर बंद हुआ। कारोबार

के दौरानप सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, ज़ोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा स्टील और एनटीपीसी के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, नेस्ले और आईटीसी के शेयर उछले हैं। शेयर बाजार में आई बड़ी गिरावट से निवेशकों को पांच लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बीएसई पर लिस्टेड कुल कंपनियों का मार्केट पूंजीकरक सोमवार को नीये आकर 397,81,410 करोड़ रुपये हो गया जबकि गत सप्ताह शुक्रवार को यह 402,95,043 करोड़ रुपये था। इस तरह लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 5,13,633 करोड़ रुपये घटा है।वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट से हुई। सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 74,893 पर खुला। इससे पहले यह शुक्रवार को 75,311 के भाव पर बंद हुआ था।

बेंगलुरु में नया ऑफिस खोलेगी फेसबुक, हायरिंग शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में एक नया ऑफिस खोलने की घोषणा के साथ, मेटा ने इंजीनियरिंग व प्रोडक्ट रोल्स के लिए हायरिंग की शुरुआत की है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी बेंगलुरु ऑफिस के लिए एक इंजीनियरिंग डायरेक्टर हायर कर रही है। ये पद उस व्यक्ति के लिए है, जो कंपनी की इंजीनियरिंग प्रजेंस को आकार देने और नई रणनीतियों को व्यवस्थित करने के लिए जवाबदेह होगा। मेटा की लिंकेडेन पोस्ट्स के मुताबिक, बेंगलुरु सेंटर को कंपनी की एंटरप्राइज इंजीनियरिंग टीम द्वारा स्थापित किया जा रहा है, जो इंटरनल टीम्स की प्रोडक्टिविटी बढ़ाने वाले प्रोडक्ट्स बनाएगी। इसके साथ ही, मेटा ने भारत में हार्डवेयर इंजीनियरों के भर्ती के लिए भी कदम उठाया है। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार मेटा ने 2025 तक 60 से 65 अरब डॉलर का प्लान बनाया है, ताकि अपने एआई प्रयासों को और मजबूत कर सके। ये कदम आते हैं उन समय में, जब गूगल, माइक्रोसाफ्ट और ओपन एआई जैसी कंपनियां एआई सेक्टर में वर्चस्व स्थापित करने के लिए पूरी ताकत लगा रही हैं। मेटा के द्वारा भारत में इंजीनियरिंग टैलेंट पर ध्यान केंद्रित करने का यह कदम भारत की टेक्नोलॉजी समुदाय के लिए एक बड़ी संकेत हो सकता है।

सोने - चांदी में गिरावट के साथ शुरुआत

सोने के भाव 86,100 के करीब, चांदी लगभग 96,350 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक बाजारा में सुस्त भाव के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में तेजी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव 86,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 96,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै ?श्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद चढ़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 12 रुपये की गिरावट के साथ 85,998 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 104 रुपये की तेजी के साथ 86,114 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 294 रुपये की गिरावट के साथ 95,906 रुपये पर खुलने के बाद 150 रुपये की तेजी के साथ 96,350 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने व चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। लेकिन बाद में इनके भाव सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,950.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,953.20 डॉलर प्रति औंस था। यह 1.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,954.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप में बड़ा सुधार

मुंबई (एजेंसी)। प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजिस लिमिटेड, (पूर्व में एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर) नेशनल पेंशन स्कीम और अटल पेंशन योजना के खातों को संचालित करने वाली सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) ने अपने पेंशन मैनेजमेंट ऐप - 'एनपीएस बाय प्रोटीयन' को एक नया स्वरूप देते हुए इसमें कई नई विशेषताएं जोड़ी हैं, ख़ास तौर पर आज की डिजिटली जागरूक नयी पीढ़ी के लिए जिसमें कई नए फीचर भी हैं। चाहे आप पहले से एनपीएस से जुड़े हैं या अपना रिटायरमेंट प्लानिंग का सफ़र एनपीएस के साथ अभी शुरू कर रहे हों, यह नया ऐप आपको एक स्थान पर सभी समाधान देगा। दोनों एंड्राइड और आईओएस ग्राहकों के लिए उपलब्ध उए नया आप बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देने के साथ ही इंट्युइटिव नेविगेशन और बेहतर सुरक्षा फीचर्स देगा।

भारत के ऊर्जा भविष्य को मिली नई दिशा

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में अपनी यात्रा तेज कर रहा है और आत्मनिर्भर भारत के तहत एक वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, वैसे-वैसे बिजली क्षेत्र की भूमिका आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस बदलते परिदृश्य में, आईईईएमए (इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन) ने ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिकल शो इलेक्रामा 2025 की भव्य शुरुआत की। इलेक्रामा के 16वें संस्करण में भारत की विद्युत और ऊर्जा तकनीकों में क्षमता प्रदर्शित की गई है, जिससे इसकी भूमिका एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में और मजबूत होती है।

बजाज ने जीआईईए लॉन्चिंग की घोषणा की

पुणे (एजेंसी)। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी में से एक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) की लॉन्चिंग की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एशिया, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका में जनरल इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस के एडवाइज़र्स के उत्कृष्ट योगदान को सराहना और सम्मानित करना है. इंडस्ट्री में विश्वसनीय नाम और इस इवेंट में पार्टनर, एशिया इंश्योरेंस रिव्यू (एआईआर), वर्ष 2025 के अवॉर्ड्स की देखरेख और संचालन करेगी, जिससे इवेंट की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ गई है और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता भी जुड़ गई है।

देव आईटी ने वर्क ऑर्डर प्राप्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एनएसई- देव आईटी, बीएसई- 543462), एक वैश्विक आईटी और आईटीईएस कंपनी जो क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशन और मैनेज्ड आईटी सेवाएं प्रदान करती है, ने एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वेबसाइट डेवलपमेंट के लिए राज्य सभा सचिवालय से एक महत्वपूर्ण वर्क ऑर्डर प्राप्त किया है। 1.48 करोड़ रुपये मूल्य के इस अनुबंध में लगभग नौ महीने की अवधि में परियोजना के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल हैं। दिल्ली में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के तहत कई पैनलबद्ध कंपनियों की उपस्थिति में, इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए चुना जाना एक सम्मान की बात है। यह देव आईटी की ई-गवर्नेंस क्षेत्र में एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है।

सैमसंग गैलेक्सी एफ06 5जी की बिक्री शुरू

गुरुग्राम (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रैंड, सैमसंग ने आज अपने सबसे किफायती 5जी स्मार्टफोन - गैलेक्सी एफ06 5जी की बिक्री शुरू करने की घोषणा की है। गैलेक्सी एफ06 5जी हाई-परफॉर्मेंस और स्टाइल के बेहतरीन मिक्स के साथ 5जी सेगमेंट में क्रांति लाने के लिए तैयार है। गैलेक्सी एफ06 5जी किफायती कीमत पर संपूर्ण 5जी अनुभव देगा, जिससे 5जी तकनीक ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक पहुंच पाएगी और पूरे देश में इसके व्यापक रूप से अपनाए जाने में तेजी आएगी। गैलेक्सी एफ06 5जी सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के 12 5जी बैंड को सपोर्ट करता है। गैलेक्सी एफ06 5जी में 'रिपल ग्लो' फिनिश है जो हर मूवमेंट के साथ चमकती है और खूबसूरती और सॉफिस्टिकेशन का एहसास कराती है। 6.7 इंच के बड़े एचडी+ डिस्प्ले के साथ, गैलेक्सी एफ06 5जी उपभोक्ताओं को शानदार विजुअल और बेहतरीन व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। स्मार्टफोन 8 एमएम स्लीक है और इसका वजन केवल 191 ग्राम है, जो इसे उपयोग करने के लिए अविश्वसनीय रूप से एर्गोनोमिक बनाता है। गैलेक्सी एफ06 5जी दो बेहद बोल्ड और आकर्षित करने वाले रंगों - बहामा ब्लू और लिट वॉयलेट में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी एफ06 5जी में एक आकर्षक नया कैमरा डेको दिया गया। इसमें एफ1.8 अपर्चर के साथ एक उच्च- रिजॉल्यूशन 50एमपीवाइड-एंगल लेंस है जो जीवंत, विस्तृत तस्वीरें कैप्चर करता है, जबकि 2एमपी डेप्थ- सेंसिंग कैमरा बेहतर विजिबलिटी के साथ तस्वीरें प्रदान करता है। 8एमपी का फ्रंट कैमरा आपकी सेल्फी को क्रिस्प और स्पष्ट होना सुनिश्चित करता है।

ग्लोब टेक्सटाइल्स का लाभ बढ़ा

अहमदाबाद (एजेंसी)।

टेक्सटाइल उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक ग्लोब टेक्सटाइल्स ने थर्ड क्वार्टर और नौ महीनों के फायनान्शियल रीजल्ट्स की घोषणा की है। कंपनी ने रेवेन्यू और प्रोफिट में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो कंपनी की बिज़नेस स्ट्रेटेजी और ओपरेशन्स की सफलता दर्शाती है। 31 दिसंबर 2024 को खत्म हुए क्वार्टर के लिए रेवेन्यू 46.2 प्रतिशत 15,159.21 लाख हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी समयावधि में यह 10,367.19 लाख रुपए था।

कंपनी का नेट प्रोफिट 53.7 प्रतिशत बढ़कर 291.42 लाख रुपए हो गया जो पहले 189.55 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, रेवेन्यू 20.8प्रतिशत बढ़कर 42,397.79 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 35,095.74 लाख था। नेट प्रोफिट में 56.6प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई और यह 943.55 लाख हो गया, जो कंपनी का सतत ग्रोथ दर्शाता है। ग्लोब टेक्सटाइल्स के 4,504 लाख रुपए के राइट्स इश्यू को अपेक्षा से अधिक रीस्पोन्स मिला, जिससे निवेशकों का कंपनी के ग्रोथ और फायनान्शियल स्टेबिलिटी में मजबूत विश्वास झलकता है। जुटाये गये फंड का उपयोग बिज़नेस डेवलपमेन्ट,आर एंड डी और वर्किंग केपिटल के लिए किया जाएगा, जिससे इनोवेटिव और सस्टेनेबल सोल्यूशन्स के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि होगी। कंपनी के पर्फोमन्स पर टिप्पणी करते हुए, ग्लोब टेक्सटाइल्स के चेयरमैन और एम डी भाविक पारिख ने कहा कि हमारा सतत मजबूत प्रदर्शन हमारी स्ट्रेटेजी, इफेक्टिव ओपरेशन्स और सतत ग्रोथ के प्रति स्ट्रोंग कमिटमेन्ट को दर्शाता है। ग्लोब डेनवॉश के अधिग्रहण के साथ हमने इनोवेशन, मार्केट एक्सपान्शन और स्टेबिलीटी पर ध्यान केंद्रित करते हुए टेक्सटाइल उद्योग में एक मजबूत स्थिति बनाई है। हम अपने स्टेकहोल्डर्स को लोन्ग टर्म वेल्यू प्रदान करने और प्रोफिट को बढ़ाने के नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ग्लोब टेक्सटाइल्स के मजबूत प्रदर्शन का प्रमुख कारण स्ट्रेटेजिक इनिशियेटिव्स, मांग में बढोत्तरी, अच्छी ओपरेशन्स क्षमता और टारगेटेड मार्केट डेवलपमेन्ट है।

आईएमए ने नेब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर खोला

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन (आईएमए) ने 32वें अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन 2025 का सफल उद्घाटन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में किया, जिसमें 3,000 से अधिक उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, नीति निर्धारक, अर्थशास्त्री और अकादमिक एवं छात्र एकत्र हुए, और व्यापार के विकास, वित्तीय उन्नति, नेतृत्व रणनीतियों और भारत की वैश्विक आकांक्षाओं पर परिवर्तनकारी चर्चाएँ कीं। इस वर्ष का थीम उद्यामेना ही सिद्धयंती (स्ट्राइव, ड्राइव और थ्राइव) था, जिसे डॉ. संदीप आत्रे ने स्पष्ट रूप से समझाया, जिसमें उन्होंने आज के गतिशील व्यापारिक वातावरण में प्रयास और उपलब्धि की महत्ता पर जोर दिया। सम्मेलन की शुरुआत एक आध्यात्मिक और शास्त्रीय छाप के साथ हुई, जिसमें सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन हुआ। आईआईएम इंदौर के निदेशक और इंदौर प्रबंधन संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु राय ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के उज्जवल भविष्य की बात की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उच्च कुशल कार्यबल द्वारा संचालित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि अस्थिरता, अप्रत्याशितता, गैर-रेखीयता और अप्रत्यक्षता (बीएएनआई विश्व), लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता में कठिन कार्य की महत्ता पर जोर दिया। भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत कुशल श्रम में दुनिया का नेतृत्व करेगा। एआई और बायोटेक भारत की सुपर-एडवांस्ड स्वास्थ्य सेवा को चलाएंगे। भारत एक वैश्विक आईटी महाशक्ति बनेगा। एआई इंसानों की जगह नहीं लेगा, लेकिन जो एआई से अनजान होंगे, वे प्रतिस्थापित हो सकते हैं। हम सभी के पास कम उपभोग करने की शक्ति है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

धोनीवर्स और उसके भरोसेमंद राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब पावर कपल एमएस धोनी और साक्षी एक साथ आते हैं, तो आपको पता चल जाता है कि कुछ खास होने वाला है - इस बार, यह अवसर स्वाभाविक रूप से शानदार दिखने के लिए है, जिसका श्रेय गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स को जाता है! अपने नवीनतम टीज़र में, उनके बीच की चंचल नोक-झोंक ने सुर्खियां (और आपका दिल) चुरा ली। जब साक्षी धोनी को उनके अंतहीन कैंडिड इंटरव्यू को लेकर चिढ़ाती हैं, तो वह खुद को यह बताने से नहीं रोक पातीं कि कैसे किसी ने हाल ही में उनसे पूछा था कि वह 43 साल की उम्र में भी 30 साल के कैसे दिखते हैं। उनका जवाब? बालों का कलर और दाढ़ी का कलर, लेकिन रुकिए-साक्षी तुरंत बताती हैं कि वह ही उनके बालों को रंगती है, ताकि क्रेडिट गेम में पीछे न रहे! इसलिए, जब वह उनसे पूछती हैं, आप कौन सा रंग इस्तेमाल करते है तो धोनी अपनी चिरपरिचित मुस्कान बिखेरते हुए, बिल्कुल धोनी स्टाइल में कहते हैं, मैं अभी अपने सभी सीक्रेट्स नहीं बता सकता। अब, जबकि हम सभी ने क्रिकेट के मैदान पर एमएस धोनी के शांत, सोचसमझकर लिए गए निर्णय देखे हैं! लेकिन जब बात उनके बालों की आती है, तो मैदान के बाहर भी धोनी को चैम्पियन घोषित किया जाता है। और याद रखें, धोनीवर्स और इसके भरोसेमंद राज़ हर पल जीत का एहसास दिलाने में महत्वपूर्ण हैं।

केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के लिए विदर्भ की 17 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं

नागपुर (एजेंसी)। विदर्भ ने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के लिए सोमवार को अपनी 17 सदस्यीय टीम को बरकरार रखा। फाइनल बुधवार से जामथा के वीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। विदर्भ क्रिकेट संघ ने सोमवार को कहा कि वीसीए की सीनियर चयन समिति ने सोमवार को हुई बैठक में उसी टीम को बरकरार रखने का फैसला किया जिसने मुंबई के खिलाफ सेमीफाइनल में हिस्सा लिया था। अक्षय वाडकर टीम की अगुआई करेंगे। मौजूदा सत्र घरेलू क्रिकेट की शीर्ष प्रतियोगिता में अब तक अजेय रहे विदर्भ ने गत चैंपियन मुंबई पर 80 रन की शानदार जीत के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। दो बार के चैंपियन विदर्भ को पिछले साल फाइनल में मुंबई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिसने अपना 42वां खिताब जीता था। दूसरी ओर केरल पहली बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में उतरेगा। क्वार्टर फाइनल में जम्मू-कश्मीर को पहली पारी में मात्र एक रन की बढ़त के आधार पर पछाड़ने के बाद केरल ने सेमीफाइनल में गुजरात को दो रन की मामूली बढ़त के साथ पछाड़ा।

साइप्रस शॉटगन विश्वकप के लिए भारतीय निशानेबाजी टीम की घोषणा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को साइप्रस के निकोसिया में तीन से 12 मई तक होने वाले आगामी आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के लिए 12 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा की। राष्ट्रीय चयन नीति के अनुसार इस विशेष विश्व कप के लिए संबंधित व्यक्तिगत स्पर्धाओं की भारत रैंकिंग में चार से छह रैंकिंग वाले निशानेबाजों का चयन किया गया है। तोक्यो ओलंपियन किनान चेनाई पुरुषों की ट्रैप तिकड़ी का नेतृत्व करेंगे जबकि पेरिस ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप प्रतियोगिता की अगुआई करेंगी। निकोसिया में स्कीट स्पर्धा में भी कुछ ओलंपियन शामिल होंगे। भारत के सबसे प्रतिष्ठित पुरुष स्कीट निशानेबाज मेराज अहमद खान एक और विश्व कप के लिए तैयार होंगे जबकि महेश्वरी चौहान को महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में जगह मिली है।

वीर 67वें स्थान पर रहे, क्रुइसविज्क ने जीता कीनिया ओपन

नैरोबी (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत यहां मैजिनकल कीनिया ओपन के अंतिम दौर में एक ईगल सहित तीन अंडर 68 का शानदार कार्ड बनाने में कामयाब रहे लेकिन संयुक्त 67वें स्थान पर ही रह सके। पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर रहकर डीपी वर्ल्ड टूर में जगह बनाने वाले वीर ने अंतिम दिन टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला लेकिन वह अपने स्थान में ज्यादा सुधार नहीं कर सके। वीर अंतिम दिन शुरूआत करने वाले पहले गोल्फर थे, उन्होंने पहले और तीसरे होल में बर्डी लगाई। चौथे में ईगल की। वह पहले चार होल में चार अंडर पर थे। इसके बाद उन्होंने दो और बर्डी लगाई जबकि तीन बोगी भी कर बैठे। दक्षिण अफ्रीका के जाक क्रुइसविज्क ने शानदार कार्ड खेलकर दो शॉट से पहला डीपी वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

राजस्थान यूनाईटेड ने रीयल कश्मीर को 4-0 से हराया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान यूनाईटेड ने सोमवार को यहां रीयल कश्मीर पर 4-0 की शानदार जीत से आई लीग तालिका में ऊपर की ओर बढ़ना जारी रखा। राजस्थान यूनाईटेड ने पहले 32 मिनट में तीन गोल दाग दिए। एलेन ओयारजुन ने 13वें और माईकोल काब्रेरा ने 14वें ओर 32वें मिनट में दो गोल दागे। गौतम वीरवानी ने 90+4वें मिनट में टीम के लिए चौथा गोल किया। राजस्थान यूनाईटेड के इस जीत से 24 अंक हो गये हैं जिससे टीम चौथे स्थान पर पहुंच गई। वहीं रीयल कश्मीर की खिताब की उम्मीदों को करारा झटका लगा और वह 26 अंक पर कायम है लेकिन तीसरे स्थान पर खिसक गई। टीम चर्चिल ब्रदर्स से तीन अंक पीछे है।

सीएसके ने श्रीराम को सहायक गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर श्रीधरन श्रीराम आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चरण में चेन्नई सुपर किंग्स के सहायक गेंदबाजी कोच होंगे। पांच बार की चैंपियन टीम ने सोमवार को इसकी घोषणा की। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने एक्स' पर घोषणा करते हुए पोस्ट किया हमारे सहायक गेंदबाजी कोच श्रीराम श्रीधरन को सलाम। चेपॉक की पिच से लेकर ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश में कई वर्षों तक कोचिंग देने वाले श्रीधरन गर्व के साथ इस नयी यात्रा पर निकल पड़े हैं। बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी के पूर्व ऑलराउंडर श्रीधरन टीम में स्टीफन फ्लेमिंग (मुख्य कोच), माइक हसी (बल्लेबाजी कोच) और एरिक सिमंस (गेंदबाजी सलाहकार) के साथ काम करेंगे।

न्यूजीलैंड पांच विकेट से जीता, बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान का सफर भी समाप्त

इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है

रावलपिंडी (एजेंसी)। रचिन रवींद्र के शतक और कप्तान टॉम लाथम के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड की जीत के साथ ही ग्रुप ए से मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 46.1 ओवर में पांच विकेट पर 240 रन बनाकर मैच जीत लिया। न्यूजीलैंड की इस टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पारी लड़खड़ा गई थी और टीम ने 72 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इस

टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रहे रचिन ने लाथम के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की। रचिन और लाथम ने न्यूजीलैंड को मुश्किल से उबारा और जीत की नींव रखी। रचिन ने वनडे विश्व कप 2023 में अपने डेब्यू मैच में शतक लगाया था और अब वह चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मैच में भी शतक लगाने में सफल रहे। रचिन 105 गेंदों पर 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 112 रन बनाए। वहीं, लाथम 76 गेंदों पर तीन चौके की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए।

न्यूजीलैंड की ओर से रचिन और लाथम के अलावा डेवोन कॉनवे ने 30 रन और केन विलियमसन ने पांच रन बनाए। वहीं, विल यंग खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स 28 गेंदों पर 21 रन और माइकल ब्रेसवेल 11 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन ने एक-एक विकेट लिए।

चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गई पाक

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने माना है कि भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार के बाद उनकी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गयी है। पाक टीम पहले मैच में भी न्यूजीलैंड से हारी थी। ऐसे में लगातार दो हार के बाद उसके नॉकआउट में पहुंचने की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। रिजवान ने कहा कि दोनो ही टीमों भारत और न्यूजीलैंड ने हमसे बेहतर खेला। साथ ही कहा अब दूसरी टीम के परिणामों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद को वह सही नहीं मानते हैं। अब न्यूजीलैंड टीम बचे हुए दो मैचों में से एक में भी जीत मिल जाती है तो मेजबान पाक टीम की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। कीवी टीम को अब एक मैच बांग्लादेश से खेलना है और इसमें उसके लिए जीत हासिल करना कठिन नहीं है। अभी तो हम यही कह सकते हैं कि हमारे लिए टूर्नामेंट समाप्त हो गया।

मुक्केबाजी मामलों के संचालन के लिए तदर्थ समिति गठित की

राष्ट्रीय महासंघ समय पर चुनाव कराने में विफल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सोमवार को देश में मुक्केबाजी के मामलों के संचालन के लिए पांच सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया क्योंकि राष्ट्रीय महासंघ समय पर चुनाव कराने में विफल रहा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के पूर्व कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक की अध्यक्षता वाले तदर्थ पैनल से आईओए ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव जल्द से जल्द कराने को कहा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने एक कार्यालय आदेश में लिखा, ''आईओए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के प्रशासनिक मामलों की बारीकी से निगरानी कर रहा है। संचालन से जुड़े मानदंडों के अनुसार बीएफआई के चुनाव दो फरवरी 2025 को या उससे पहले कराए जाने थे। निर्धारित समयसीमा के बावजूद चुनाव नहीं हुए हैं जिसके परिणामस्वरूप महासंघ के भीतर प्रशासनिक अस्थिरता है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त के मद्देनजर और आईओए में निहित अधिकारों के अनुसार भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के मामलों की देखरेख करने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव होने तक इसकी गतिविधियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक तदर्थ समिति का गठन किया जाता है। उषा ने कहा कि तदर्थ समिति बीएफआई के रोजमर्रा के प्रशासन के लिए भी जिम्मेदार होगी। तदर्थ समिति के अन्य सदस्य राजेश भंडारी (उपाध्यक्ष), डीपी भट, मुक्केबाज शिव थापा और वीरेंद्र सिंह ठाकुर हैं। आईओए प्रमुख ने यह भी कहा कि उनके कार्यालय को हाल के महीनों में विभिन्न महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय मुक्केबाजों की गैर-भागीदारी के बारे में खिलाड़ियों, कोच और संबंधित अधिकारियों सहित हितधारकों से कई शिकायतें मिली हैं। उषा ने कहा कि यह स्थिति वैश्विक मंच पर भारतीय मुक्केबाजी के विकास और प्रदर्शन के लिए हानिकारक है और तत्काल सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता है।

मनु भाकर की अगुवाई में आईएसएसएफ विश्वकप निशानेबाजी में उतरेगी भारतीय टीम

निशानेबाजी विश्वकप सत्र दक्षिण अमेरिका में विश्व कप के साथ शुरू होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व स्टार महिला विजेता निशानेबाज मनु भाकर करेंगी। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप सत्र दक्षिण अमेरिका में विश्व कप के साथ शुरू होगा और इसमें दो चरण होंगे। इसका चरण अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। ओलंपिक पदक विजेता मनु विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेंगी। उनके साथ ओलंपियन अनीश भानवाला और

विजयवीर सिद्धू पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भाग लेंगे। वहीं ऐशा सिंह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस, सिफत कौर सामरा और श्रेयांका सांडगी महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में उतरेंगे। अर्जुन बबूता पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल, पृथ्वीराज टोंडाइमान ट्रैप, अनंत जीत सिंह नरूका स्कीट और रेइजा ढिल्लों महिला स्कीट भी टीम में शामिल हैं। आईएसएसएफ निशानेबाजी से पहले अभ्यास के लिए भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने 14 मार्च से शिविर का भी आयोजन किया है। राइफल संघ ने कहा ,'' हर वर्ग में विश्व कप के तीन चरण होंगे जबकि दो जूनियर विश्व कप भी खेले जायेंगे। विश्व कप का दूसरा चरण सितंबर में दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं अगस्त में कजाखस्तान में 16वीं एशियाई चैम्पियनशिप होगी।

एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

दोनों टीम तीन टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम करीब एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जा रही है। वेस्ट क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए इस साल जून और जुलाई में उसके यहां दौरे पर आयेगी।

यह साल 2015 के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट दौरा होगा। साल 2015-16 में वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों देशों की टीमें पहली बार तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलती हुई दिखेंगी। सर फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए खेले जाने वाली इस टेस्ट

सीरीज का पहला मैच 25 जून से ब्रिजटाउन, बारबाडोस में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट तीन जुलाई से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में और तीसरा टेस्ट 12 जुलाई से किंग्स्टन, जमैका में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज खेली जाएगी। इसके पहले दो मैच किंग्स्टन में 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। वहीं बचे हुए तीन मैच 25, 26 और 28 जुलाई को सेंट किट्स में खेले जाएंगे।

पंजाब किंग्स को आईपीएल के 18 वें सत्र मे टीम खिताब जिताना है लक्ष्य : पोंटिंग

मैं एक ऐसे कप्तान को भी लाना चाहता था जिसके साथ मैंने पहले काम किया हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के नये मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र मे टीम खिताब जिताना है। इसी कारण उन्होंने मेगा नीलामी में श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को मोटी कीमत पर खरीबा पोंटिग ने कहा कि उनका लक्ष्य इस इस बार टीम को खिताबी जीत दिलाना रहेगा। इसी कारण इन खिलाड़ियों को लिया गया है। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को 18 करोड़ रुपए में खरीदा।

वहीं अर्शदीप को आरटीएम कार्ड के जरिये 18 करोड़ रुपये में जोड़ा। पोंटिंग ने कहा कि मैं एक ऐसे कप्तान को भी लाना चाहता था जिसके साथ मैंने पहले काम किया हो और जिसे काफी सफलता मिली हो। इसलिए हमने कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान रहे श्रेयस को खरीद। मैं चहल को भी लाना चाहता था। इस प्रकार अब हमारे पास काफी कुशल खिलाड़ी हो गये हैं। पंजाब किंग्स की टीम अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। टीम ने साल 2014 में फाइनल में प्रवेश किया था पर वहां हार गयी थी। टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं 2008 में सेमीफाइनल तक वह पहुंची थी। टीम के लिए पिछले कुछ सत्र बेहद खराब रहे हैं। 2015 के बाद से ही टीम एक बार भी प्लेऑफ में नहीं पहुंची है।

पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोट में खेलते दिखेंगे सिनर दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के लिए निराशानजक बताया

सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर हाल ही में उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौत हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने होंगे। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस नहीं ली जाएगी। वहीं विश्व के कई

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इस प्रकार के फैसले से नाराज हैं। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डापिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी। वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा। इस फैसले की नोवाक जोकोविच के साथ ही प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी आलोचना की है।

प्रो लीग में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 2-4 से हारी भारतीय महिला हॉकी टीम

भारतीय टीम को गोल करने के बेहतर मौके मिले, लेकिन मौकों का फायदा नहीं उठा सकी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को सोमवार को एफआईएच प्रो लीग मैच में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को गोल करने के बेहतर मौके मिले जिसमें उसे 13 पेनल्टी कॉर्नर जबकि नीदरलैंड को सिर्फ तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले। लेकिन भारत मौकों का फायदा नहीं उठा सका। नीदरलैंड के लिए एम्मा रीजन (सातवें मिनट), फेलिस एल्बर्स (34वें, 47वें मिनट) और फे वैन डेर एल्स्ट (40वें मिनट) ने गोल दागकर जीत हासिल की। भारत

के लिए दोनों गोल उदिता (18वें और 42वें मिनट) द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए। यह भारत की अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया का 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। रीजन ने सातवें ही मिनट में रिवर्स हिट से उन्हें पछाड़ते हुए गोल कर दिया। भारतीय टीम ने जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, पर दोनों ही बेकार गए। भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में भी तेजी बनाए रखी और दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से दूसरे को उदिता ने गोल में बदला। नीदरलैंड ने 25वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया, लेकिन छोर बदलने के चार मिनट बाद एल्बर्स ने ढीली गेंद पर कुछ भारतीय डिफेंडरों को चकमा देते हुए दूसरी भारतीय गोलकीपर बीचू देवी खारीबाम को पीछे छोड़ते हुए एक बेहतरीन रिवर्स हिट के साथ गोल करके नीदरलैंड को 2-1 की बढ़त दिला दी।

2026 एशियाड में अब 11 ईस्पोर्ट्स खिताबों के लिए मुकाबले होंगे

एशियाई खेल महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम का विस्तार कर दिया है। इसमें अब 11 खिताबों के लिए मुकाबले होंगे। इससे भारत की पदक जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं।

भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई खेल महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा, ओसीए का 11 खिताबों तक विस्तारित करने का फैसला भारत के लिए लाभदायक रहेगा। इससे पहले ओसीए के कार्यकारी बोर्ड ने चीन के हार्बिन में अपनी बैठक के दौरान स्ट्रीट फाइटर 6, पोकेमॉन यूनाइट, ऑनर ऑफ किंग्स, लीग ऑफ लीजेंड्स - एशियाई खेलों का संस्करण, पबजी - एशियाई

खेलों का संस्करण, मोबाइल लीजेंड्स - बैंग बैंग, नाराका- ब्लेडपॉइंट, ग्रैन टूरिज्मो 7, ईफुटबॉल सीरीज और पुयो पुयो चैंपियंस को 2026 एशियाई खेलों में पदक स्पर्धाओं के रूप में शामिल करने की सहमति दी थी। गौरतलब है कि 2022 हांग्झोउ एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स ने सात खिताबों के साथ आधिकारिक पदक स्पर्धा के रूप में शुरुआत की थी।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश में उद्योग एवं रोज़गार का नया युग प्रारंभ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
समापन समारोह

मुख्य अतिथि
अमित शाह
केंद्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

25 फरवरी, 2025
सायं 4:30–6:00 | मुख्य हॉल
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

मुख्य आकर्षण

- एमपी मोबिलिटी एक्सपो
- सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो
- ओडीओपी विलेज
- कन्ट्री सेशन
- एमपी पवेलियन
- एग्जीबिशन एवं एक्सपो
- एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट (बी2बी मीटिंग)
- मध्यप्रदेश सरकार एवं बिजनेस मीट (बी2जी मीटिंग)

CII
Confederation of Indian Industry

EY
Shape the future with confidence

D-11197/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
www.investmp.in